Insurance Agents (Health) Question Bank - Hindi						
क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
1	निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन अथवा कौनसे कथन, सत्य हैं? I. यह भली-भांति समझा जाता हैं, कि, बीमा एक 'शपथ' हैं। II. पॉलिसी, उस शपथ की साक्षी हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	3
2	निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन अथवा कौनसे कथन, सत्य हैं? I. एक बीमा-कर्ता के बेहतरीन कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन, उनके दावों के संबंध में किए गए उनके वादों को बेहतरीन ढंग से कायम रखने पर, निर्भर करता हैं। II. बीमा का एकमात्र मुख्य दराकंन घटक, बीमा-कंपनी द्वारा दावों के भुगतान की क्षमता हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	1
3	विनियामक (भारतीय बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)), दावे की प्रक्रिया में मुख्य साझेदार हैं, क्योंकि, इसका उद्देश्यः I. बीमा-वातावरण में अनुशासन कायम रखना हैं II. बीमा-कर्ता के हितों को सुरक्षित रखना हैं III. बीमा-कर्ताओं के दीर्घावधि स्वास्थ्य सुनिश्चित करना हैं	I एवं II.	I एवं III.	II एवं III.	I, II, एवं III.	2
4	निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन अथवा कौनसे कथन, सही हैं? I. बीमा-अभिकर्ताओं अथवा बीमा-दलालों का मुख्य उद्देश्य, बीमा-पॉलिसियों को बेचना हैं। II. बीमा-अभिकर्ताओं अथवा बीमा-दलालों से, दावे की स्थिति में, ग्राहकों को सेवा प्रदान करने की भी अपेक्षा की जाती हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	3
5	निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन अथवा कौनसे कथन, सही हैं? I. बीमा-कंपनी द्वारा प्राधिकृत तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.) की सेवाओं के ज़रिए ही, केवल, दावे संबंधी सेवाएँ, प्रदान की जाती हैं। II. दावे संबंधी सेवाएँ, बीमा-कंपनी द्वारा स्वयं अथवा बीमा-कंपनी द्वारा प्राधिकृत तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.) की सेवाओं के ज़रिए, दी जा सकती हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
6	--- के मामले में, ग्राहक, चिकित्सा अथवा भर्ती के दौरान व्यय का भुगतान नहीं करते हैं। नेट-वर्क अस्पताल, बीमा-कर्ता अथवा तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.) से पूर्व-अनुमोदित पत्र के आधार पर, सेवाएँ प्रदान करता हैं, और बाद में, दावे के निपटान हेतु दस्तावेजों को बीमा-कर्ता अथवा तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.) के समक्ष प्रस्तुत करता हैं।	प्रतिपूर्ति-दावा	नकद-रहित सुविधा	पूर्व-अनुमोदित दावा	"पहले चिकित्सा, बाद में भुगतान" दावा	2
7	--- के मामले में, ग्राहक, अपने निजी साधनों से, अस्पताल को भुगतान करते हैं, और बाद में, दावे के भुगतान हेतु, बीमा-कर्ता अथवा तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.) के समक्ष, दावा दर्ज करते हैं।	प्रतिपूर्ति-दावा	नकद-रहित सुविधा	"जाते-जाते भुगतान करें" दावा	"पहले चिकित्सा, बाद में भुगतान" दावा	1
8	दावे की प्रक्रिया में, निम्नलिखित में से कौन सा, पहला कदम हैं?	पंजीकरण	दावे का (कोडिंग)	सूचना	दस्तावेजों का सत्यापन	3
9	तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.), निम्नलिखित सेवाएँ, प्रदान करते हैं। I. नकद-रहीत सुविधा II. सूचना-संकलन एवं सूचना-विश्लेषण III. ग्राहकों के लिए, 24 घंटों का कॉल-सेंटर एवं सहायता IV. अस्पतालों का नेटवर्क एवं अन्य चिकित्सकीय सुविधाएँ	I, II, एवं IV.	II, III, एवं IV.	I, III, एवं IV.	I, II, III, एवं IV.	4
10	बीमा-दावा-प्रक्रिया में, निम्नलिखित में से कौन, साझेदार होते हैं?	विनियामक	तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.)	बीमा-अभिकर्ता अथवा बीमा-दलाल	उपरोक्त में से सभी।	4
11	अस्पताल से छुट्टी (डिस्चार्ज) संबंधी, सारांश में, निम्नलिखित में से कौन से विवरणों को, शामिल किया गया हैं? I. नाम, आयु, लिंग, एवं रोगी का विवरण II. अस्पताल में भर्ती होने एवं छुट्टी मिलने की तिथि एवं समय III. अस्पताल में भर्ती होने के दौरान, रोगी की स्थिति, तापमान, नाड़ी, रक्तचाप, आदि, एवं भर्ती का कारण घ. की गयी जाँच	I, II, एवं IV.	II, III, एवं IV.	I, III, एवं IV.	I, II, III, एवं IV.	4
12	निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा, ग्राहक एवं दावे के टीम के बीच के संपर्क का, पहला उदाहरण हैं?	दावा-पंजीकरण	दावे का (कोडिंग)	दावे की सूचना	दावे के दस्तावेजों का सत्यापन	3
13	अस्पताल बिल में, किस शीर्ष के तहत, कर्तव्य-पर चिकित्सा-अधिकारी के शुल्क को, शामिल किया जाता हैं?	कमरे का किराया	प्रक्रिया-शुल्क	परामर्श-शुल्क	विविध शुल्क	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
14	निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन अथवा कौनसे कथन, सत्य हैं? I. योजनाबद्ध रूप से, अस्पताल में भर्ती होने के मामले में, ग्राहक बीमा-कंपनी को सूचित कर सकते हैं, कि, वह, अस्पताल में भर्ती होने की सुविधा लेने की योजना बना रहे हैं। II. अस्पताल में, आकस्मिक रूप से, भर्ती होने के मामले में, अस्पताल में भर्ती होने के बाद, सूचना दी जा सकती हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	3
15	तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.) के कॉल-सेंटर, निम्नलिखित से संबंधित सूचना प्रदान करेंगे। I. पॉलिसी के तहत उपलब्ध बीमा-सुरक्षा एवं लाभ II. स्वास्थ्य से संबंधी दावों संबंधी, प्रक्रिया एवं प्रणाली III. सेवाओं से संबंधित दिशानिर्देश, एवं नकद-रहित रूप से, अस्पताल में भर्ती IV. नेट-वर्क अस्पतालों पर सूचना	I, II, एवं IV.	II, III, एवं IV.	I, III, एवं IV.	I, II, III, एवं IV.	4
16	अस्पताल में आपातकालीन स्थिति में भर्ती होने के मामले में, भर्ती होने के --- घंटों के अंदर, बीमा-कंपनी को सूचना देने की आवश्यकता होती हैं।	4	8	12	24	4
17	निम्नलिखित माध्यमों में से, किस के ज़रिए, बीमा-कंपनी को, अस्पताल में भर्ती होने की सूचना दी जा सकती हैं?	फैक्स	कॉल सेंटर को फोन करना	ई-मेल	उपरोक्त में से कोई भी।	4
18	दावे के संसाधन हेतु, दावे के टीम द्वारा प्रयोग किए जाने वाले आंतरिक दस्तावेज, प्रपत्रों के संदर्भ सहित, उत्तर दीजिए। निम्नलिखित में से सामान्यतः कौन सा एकल कागज़पत्र हैं, जिस में, प्रक्रिया के संपूर्ण पत्री को दर्ज किया जाता हैं?	सूक्ष्म-परीक्षण पत्र (scrutiny sheet)	दस्तावेज़ सत्यापन कागज़	गुणवत्ता-जाँच अथवा नियंत्रण-प्रारूप	उपरोक्त में से सभी।	1
19	निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन अथवा कौनसे कथन, सही हैं? I. प्रणाली में दावा पंजीकृत किए जाने के बाद, बीमा-कर्ता के खाते में, उक्त दावे हेतु, आरक्षित राशि निर्मित की जाती हैं। II. आरक्षित राशि निर्मित करने के बाद, इस राशि को, दावे के भुगतान की ऊपरी सीमा के रूप में जमा कर दिया जाता हैं। तथापि, आरक्षित राशि से वास्तविक राशि के कम होने पर, इस राशि को कम कर संशोधित किया जा सकता हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
20	स्वास्थ्य बीमा दावे की प्रक्रिया के लिए, निम्नलिखित में से कौन से दस्तावेज, सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं? I. बीमारी की दस्तावेजी साक्ष्य II. प्रदान की गई चिकित्सा III. मरीज के अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि IV. स्वास्थ जाँच रिपोर्ट	केवल, I एवं II.	केवल, I एवं IV.	I, II, एवं IV.	I, II, III, एवं IV.	4
21	स्वास्थ्य-बीमा, --- की अवधारणा पर आधारित होता हैं।	मृत्यु-दर	रुग्णता-दर	जोखिम का चयन	संभाव्यता	2
22	जोखिम-अंकन के संबंध में, निम्नलिखित कथनों में से, कौन सा एक, सही हैं?	यह, जोखिम-चयन एवं जोखिम-मूल्य-निर्धारण की प्रक्रिया हैं।	इसे, व्यक्ति के बीमार अथवा अस्वस्थ होने की संभाव्यता एवं जोखिम, जिसके फलस्वरूप, चिकित्सा अथवा अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता के रूप में, परिभाषित किया गया हैं।	विभिन्न प्रतिकूल घटकों, जैसे अत्यधिक वजनदार अथवा कम वजनदार होने के कारण, जोखिम-अंकन जोखिम कम होती हैं।	जोखिम-अंकन जोखिम, विभिन्न अनुकूल घटकों, जैसे, कम आयु, स्वस्थ जीवनशैली के कारण, अधिक होती हैं।	1
23	जोखिम-अंकन, --- की प्रक्रिया हैं। I. जोखिम का चयन II. जोखिम का मूल्य निर्धारण	केवल, I सही हैं।	दोनों, I एवं II, सही हैं।	दोनों, I एवं II, गलत हैं।	केवल, II सही हैं।	2
24	सही कथन की पहचान कीजिए। I. रुग्णता-दर, विभिन्न प्रतिकूल घटकों के कारण, बढ़ती हैं, जैसे, अधिक वजनदार अथवा दुबला-पतला होना, पूर्व एवं वर्तमान की कुछ बीमारियों का व्यक्तिमत ब्यौरा। II. रुग्णता-दर, कुछ अनुकूल घटकों, जैसे, कम आयु, स्वस्थ जीवनशैली, आदि के कारण, घटती हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	3
25	---, जोखिम को उचित रूप से मूल्यांकित करने की, एवं बीमा सुरक्षा प्रदान करने की शर्तों को निर्धारित करने की प्रक्रिया हैं।	जोखिम-विमुखता	जोखिम-चयन	रुग्णता-दर	जोखिम-अंकन	4
26	---, व्यक्ति के अस्वस्थ अथवा बीमार होने की संभाव्यता एवं जोखिम हैं, जिसके कारण, चिकित्सा अथवा अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता पड़ती हैं।	मृत्यु-दर	जोखिम-चयन	रुग्णता-दर	संभाव्यता	3
27	स्वास्थ्य-बीमा में, रुग्णता-दर प्रीमियम, --- के लिए, अधिक होता हैं। I. नवजात शिशु II. वयस्क युवा III. 45 वर्ष की आयु से अधिक के वयस्क	केवल I.	दोनों, I एवं II.	दोनों, I एवं III.	I, II, एवं III.	3

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
28	व्यक्ति के गंभीर रोग से पीड़ित होने की संभाव्यता, निम्नलिखित में से, ---- में, अधिक होती हैं। I. नवजात शिशु II. वयस्क युवा III. 45 वर्षों की आयु से अधिक के वयस्क	केवल III.	I एवं II.	I एवं III.	I, II, एवं III.	1
29	चिकित्सीय जोखिम-अंकन से --- हो सकता हैं।	नैतिक खतरा	मनःस्थिति खतरा	उच्च-मूल्य अथवा कम लागत के ग्राहकों को सेवा अथवा उत्पाद प्रदान करना (क्रीम स्किम्मिंग)	प्रतिकूल चयन	3
30	निम्नलिखित घटकों में से कौनसा अथवा कौनसे, रुग्णता-दर को प्रभावित करते हैं? I. आयु II. लिंग III. आय	केवल I.	I एवं II.	I एवं III.	I, II, एवं III.	2
31	सत्य कथन की पहचान कीजिए। I. नवजात शिशु एवं बच्चों की रुग्णता-दर प्रीमियम, संक्रमण एवं दुर्घटनाओं की बढ़ी हुई जोखिम के कारण, युवा वयस्कों से अधिक होती हैं। II. 45 वर्ष से अधिक के वयस्कों की रुग्णता-दर प्रीमियम, उच्चतम होती हैं, क्यों कि, किसी व्यक्ति के गंभीर रोग, जैसे, मधुमेह से पीड़ित रहने की संभाव्यता, बहुत अधिक होती हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	3
32	उन आदतों की पहचान कीजिए, जिस से, रुग्णता-दर जोखिम बढ़ सकती हैं। I. तंबाकू का सेवन II. शराब का सेवन III. योग का अभ्यास	केवल I.	I एवं II.	I एवं III.	I, II, एवं III.	2
33	ऐसे कार्यों की पहचान कीजिए, जिस से, दुर्घटना की जोखिम उच्चतम होती हैं। I. विस्फोट-कर्ता (ब्लास्टर) II. क्ष-किरण यन्त्र-चालक III. वाहन-चालक	केवल I.	I एवं II.	I एवं III.	I, II, एवं III.	3
34	ऐसी नौकरियों का चयन कीजिए, जिस में, स्वास्थ्य-जोखिम उच्चतम होती हैं। I. क्ष-किरण यन्त्र-चालक II. खदान-कामगार III. योग-प्रशिक्षक	केवल I.	I एवं II.	I एवं III.	I, II, एवं III.	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
35	निम्नलिखित कथनों में से, 'जोखिम-चयन' के संबंध में, कौन सा सही हैं?	स्वास्थ्य-बीमा हेतु, प्रत्येक प्रस्ताव का, उसके द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाली जोखिम की मात्रा का मूल्यांकन, और फिर यह निर्णय लेना, कि, बीमा प्रदान किया जाए अथवा नहीं, अथवा किन शर्तों पर किया जाए।	लोगों की प्रवृत्ति, जो यह जानते अथवा संदेह करते हैं, कि, उनके द्वारा हानि अनुभव करने के अवसर अधिक हैं, शीघ्र ही बीमा का दावा करने के इच्छुक रहते हैं, ताकि, इस प्रक्रिया में लाभान्वित हो सकें।	सही ढंग से जोखिम-अंकन की प्रक्रिया एवं बीमा सुरक्षा के प्रदान करने की शर्तों को निर्धारित करना।	किसी व्यक्ति के बीमार अथवा अस्वस्थ होने की संभाव्यता, जिस में, चिकित्सा अथवा अस्पताल में भर्ती होने की आश्यकता पड़े।	1
36	निम्नलिखित कथनों में से, 'प्रतिकूल-चयन' के संबंध में, कौन सा सही है?	स्वास्थ्य-बीमा हेतु, प्रत्येक प्रस्ताव का, उसके द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाली जोखिम की मात्रा का मूल्यांकन, और फिर यह निर्णय लेना, कि, बीमा प्रदान किया जाए अथवा नहीं, अथवा किन शर्तों पर किया जाए।	लोगों की प्रवृत्ति, जो यह जानते अथवा संदेह करते हैं, कि, उनके द्वारा हानि अनुभव करने के अवसर अधिक हैं, शीघ्र ही बीमा का दावा करने के इच्छुक रहते हैं, ताकि, इस प्रक्रिया में लाभान्वित हो सकें।	सही ढंग से जोखिम-अंकन की प्रक्रिया एवं बीमा सुरक्षा के प्रदान करने की शर्तों को निर्धारित करना।	किसी व्यक्ति के बीमार अथवा अस्वस्थ होने की संभाव्यता, जिस में, चिकित्सा अथवा अस्पताल में भर्ती होने की आश्यकता पड़े।	2
37	निम्नलिखित कथनों में से, 'रुग्णता-दर' के संबंध में, कौन सा सही हैं?	स्वास्थ्य-बीमा हेतु, प्रत्येक प्रस्ताव का, उसके द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाली जोखिम की मात्रा का मूल्यांकन, और फिर यह निर्णय लेना, कि, बीमा प्रदान किया जाए अथवा नहीं, अथवा किन शर्तों पर किया जाए।	लोगों की प्रवृत्ति, जो यह जानते अथवा संदेह करते हैं, कि, उनके द्वारा हानि अनुभव करने के अवसर अधिक हैं, शीघ्र ही बीमा का दावा करने के इच्छुक रहते हैं, ताकि, इस प्रक्रिया में लाभान्वित हो सकें।	सही ढंग से जोखिम-अंकन की प्रक्रिया एवं बीमा सुरक्षा के प्रदान करने की शर्तों को निर्धारित करना।	किसी व्यक्ति के बीमार अथवा अस्वस्थ होने की संभाव्यता, जिस में, चिकित्सा अथवा अस्पताल में भर्ती होने की आश्यकता पड़े।	4
38	--- का अर्थ हैं, कि, आवेदक-गण, जो एक समान मात्रा की जोखिम का सामना करते हैं, उन को एक समान प्रीमियम-वर्ग में रखा जाना चाहिए।	जोखिम-वर्गीकरण	समानता	जोखिम-चयन	प्रतिकूल चयन	2
39	---, वह प्रक्रिया हैं, जहाँ, व्यक्तियों को, उनके दावे के अनुरूप, जोखिम की मात्रा के आधार पर, विभिन्न जोखिम-वर्गों में, वर्गीकृत एवं शामिल किया जाता हैं।	जोखिम-वर्गीकरण	समानता	जोखिम-चयन	प्रतिकूल चयन	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
40	निम्नलिखित कथनों में से, 'जोखिम-वर्गीकरण' के संबंध में, कौन सा सही हैं?	स्वास्थ्य-बीमा हेतु, प्रत्येक प्रस्ताव का, उसके द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाली जोखिम की मात्रा का मूल्यांकन, और फिर यह निर्णय लेना, कि, बीमा प्रदान किया जाए अथवा नहीं, अथवा किन शर्तों पर किया जाए।	लोगों की प्रवृत्ति, जो यह जानते अथवा संदेह करते हैं, कि, उनके द्वारा हानि अनुभव करने के अवसर अधिक हैं, शीघ्र ही बीमा का दावा करने के इच्छुक रहते हैं, ताकि, इस प्रक्रिया में लाभान्वित हो सकें।	सही ढंग से जोखिम-अंकन की प्रक्रिया एवं बीमा सुरक्षा के प्रदान करने की शर्तों को निर्धारित करना।	प्रक्रिया, जहाँ, व्यक्तियों को वर्गीकृत किया जाता हैं, तथा उनके जोखिम की मात्रा के आधार पर, भिन्न जोखिम-वर्ग, उन्हें निर्दिष्ट किया जाता हैं।	4
41	निम्नलिखित स्वास्थ्य-बीमा उत्पादों में से कौनसा, अस्पताल में भर्ती होने पर, वास्तविक चिकित्सकीय-व्यय का भुगतान करते हैं? I. क्षतिपूर्ति बीमा-संरक्षण II. निश्चित लाभ बीमा-संरक्षण	केवल I.	केवल II.	दोनों, I एवं II.	न तो I, और न ही II.	1
42	गंभीर बीमारी बीमा-संरक्षण, निम्नलिखित में से किस बीमारी को अथवा किन बीमारीयों को, सुरक्षा प्रदान करता हैं? I. आघात (स्ट्रोक) II. अस्थमा III. कर्करोग	केवल I.	I एवं II.	I एवं III.	I, II, एवं III.	3
43	सही कथन की पहचान कीजिए। I. क्षतिपूर्ति बीमा-संरक्षण, अस्पताल में भर्ती होने पर, वास्तव में खर्च किए चिकित्सीय-व्ययों का भुगतान करता हैं। II. निश्चित-लाभ बीमा-संरक्षण, अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि के दौरान, प्रति दिन, निश्चित राशि हेतु, सुरक्षा प्रदान करता हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	3
44	सत्य कथन की पहचान कीजिए। I. यदि, बीमा-सुरक्षा, लाभ के आधार पर हैं, तो, अस्पताल में भर्ती होने के दौरान, खर्च किए गए व्यय अथवा खर्च की गई राशि को, सुरक्षा प्रदान करेगा। II. यदि, बीमा-सुरक्षा, क्षतिपूर्ति के आधार पर हैं, तो, बीमा-पॉलिसी में उल्लेखित किसी घटना के घटने पर, राशि का भुगतान किया जाएगा, एवं यह वास्तविक व्यय से संबद्ध नहीं होगा।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	4
45	निम्नलिखित में से कौनसा दैनिक सेवा की प्रणाली का उदाहरण हैं? I. नेत्र-शल्य-क्रिया II. रसायन-चिकित्सा (कीमोथेरेपी) III. अपोहन (डायलसिस)	केवल I.	I एवं II.	II एवं III.	I, II, एवं III.	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
46	निम्नलिखित विकल्पों में से, कौनसा, अस्पताल में भर्ती होने से पूर्व किए जाने वाले व्यय से सम्बद्ध है? I. दवाएँ II. डॉक्टर का शुल्क III. चिकित्सकीय परीक्षण	केवल I.	I एवं II.	II एवं III.	I, II, एवं III.	4
47	व्यक्तिगत बीमा-संरक्षण से संबंधित, निम्नलिखित सभी कथन, --- के सिवाय, सही हैं।	व्यक्ति, जिसने कि व्यक्तिगत बीमा-संरक्षण के तहत बीमा किया हैं, ससुराल-पक्ष के आश्रित माता-पिता, आश्रित भाई-बहनों, आदि के लिए, बीमा-संरक्षण की माँग नहीं कर सकते हैं।	एकल पॉलिसी के तहत, प्रत्येक बीमाकृत व्यक्ति के लिए चयनित, भिन्न बीमाकृत-राशि सहित, प्रत्येक आश्रित हेतु, सुरक्षा प्रदान करना, संभव हैं।	पॉलिसी के तहत, प्रत्येक बीमाकृत व्यक्ति, पॉलिसी की वैधता-अवधि के दौरान, अपनी बीमाकृत राशि में से अधिकतम राशि का दावा कर सकते हैं।	वैयक्तिक बीमा-संरक्षण के तहत, प्रत्येक बीमाकृत व्यक्ति के लिए, उनकी आयु एवं चयनित बीमाकृत-राशि तथा अन्य किसी दर-निर्धारण घटक के अनुसार, प्रीमियम वसूल किया जाएगा।	1
48	अतिरिक्त (टॉप-अप) योजना, जो, पॉलिसी की अवधि के दौरान, अस्पताल में कई बार भर्ती होने के बाद, कटौती-योग्य राशि के अधिक होने की अनुमति देते हैं, को --- कहते हैं।	आपदा-आधारित उच्च-कटौती योजना	अधिक अतिरिक्त योजना	सीमा-रेखा योजना	सह-भुगतान योजना	2
49	निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा, निश्चित-लाभ बीमा-योजना का अथवा के उदाहरण हैं? I. अस्पताल दैनिक नकदी बीमा योजना II. गंभीर-बीमारी बीमा योजना III. वरिष्ठ नागरिक योजना	केवल I.	I एवं II.	II एवं III.	I, II, एवं III.	2
50	अस्पताल दैनिक नकद-राशि पॉलिसी में, निम्नलिखित में से, --- पर ऊपरी सीमा प्रदान की जाती हैं। I. प्रति-रोग, दैनिक नकदी भुगतान II.पॉलिसी की अवधि III. चिकित्सक का शुल्क	केवल I.	दोनों: I एवं II.	दोनों: II एवं III.	I, II, एवं III.	2
51	अस्पताल दैनिक नकद-राशि पॉलिसी की खरीदी, निम्नलिखित रूप में से, --- में, की जा सकती हैं। I. एकल पॉलिसी II. एक नियमित क्षतिपूर्ति पॉलिसी-पूरक बीमा-संरक्षण III. एक नियमित अस्पताल-व्यय पॉलिसी पर अनुपूरक (टॉप-अप) बीमा-संरक्षण	केवल I.	I एवं II.	II एवं III.	I, II, एवं III.	4
52	सही कथन का चयन कीजिए। I. गंभीर बीमारी पॉलिसियाँ, 21 वर्ष से 65 वर्ष की आयु-समूह के लोगों के लिए, सामानयतः, उपलब्ध होती हैं। II. इन पॉलिसियों के तहत, बीमा-राशि, बहुत कम होती हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
53	सही कथन की पहचान कीजिए। I. स्वास्थ्य- प्लस जीवन संयुक्त उत्पाद, दो बीमा-कर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से बनाई गई हैं, तथा, दोनों बीमा-कर्ताओं के वितरण-माध्यम के ज़रिए इसका विपणन किया जाता हैं। II.स्वास्थ्य-अधिक-जीवन संयुक्त उत्पाद में, दावे, दोनों बीमा-कर्ताओं द्वारा, संयुक्त रूप से, निपटाये जाते हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	1
54	निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा, (पैकेज) पॉलिसी का उदाहरण हैं? I. स्वास्थ्य-अधिक-जीवन संयुक्त उत्पाद II. दुकानदार की पॉलिसी III. मकान-मालिक पॉलिसी	केवल I.	I एवं II.	II एवं III.	I, II, एवं III.	3
55	सही कथन की पहचान कीजिए। I. जन-आरोग्य बीमा-पॉलिसी, समाज के गरीब स्तर के लोगों को, कम कीमत पर, चिकित्सा-बीमा प्रदान करने के लिए, बनाई गई हैं। II. जन-आरोग्य बीमा-पॉलिसी की सुरक्षा, वैयक्तिक मेडि-क्लेम पॉलिसी के समान ही हैं, और उस में, संचयी अधिलाभांश (बोनस) एवं चिकित्सा-जाँच को भी शामिल किया गया हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	1
56	सही कथन की पहचान कीजिए। I. जन-आरोग्य बीमा-पॉलिसी, केवल व्यक्तियों के लिए ही उपलब्ध हैं, और, इसे परिवार के सदस्यों हेतु, विस्तारित नहीं किया जा सकता हैं। II. तीन महीने से पाँच वर्ष की आयु के बच्चों को, जन-आरोग्य बीमा-पॉलिसी के तहत, संरक्षित की जा सकती हैं, बशर्ते, माता-पिता में से एक अथवा दोनों को भी, साथ-साथ, सुरक्षा प्रदान की जाती हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	2
57	निम्नलिखित में से क्या, स्थायी संपूर्ण विकलांगता का उदाहरण हैं?	सभी चारों अंगों, दोनों (हाथ व पैर) में लकवा	ऊँगलियों का नष्ट होना	हाथ अथवा पैर की ऊँगलियों के पेर का नष्ट होना	पैर की ऊँगलियों की हानि	1
58	सही कथन की पहचान कीजिए। I. बीमा-कर्ता, स्वास्थ्य-सेवा की नकद-रहित सुविधा प्रदान करते हैं, और नेट-वर्क प्रदानकर्ताओं को स्वीकार्य राशि का भुगतान, सीधे ही कर देते हैं। II. नकद-रहित सुविधा के तहत, बीमा-धारक को, पॉलिसी की सीमा से अधिक राशि, एवं बीमा-कर्ता द्वारा बाद में प्रदान किए जाने वाले व्यय का भुगतान करना पड़ता हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	1
59	व्यक्तिगत स्वास्थ्य-बीमा-संरक्षण, ---- को प्रदान किए जाते हैं।	खुदरा ग्राहक	निगमित	सरकारी योजनाएँ	उपरोक्त में से सभी।	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
60	सामूहिक स्वास्थ्य-बीमा-संरक्षण, --- को प्रदान किए जाते हैं।	खुदरा ग्राहक	निगमित	सरकारी योजनाएँ	उपरोक्त में से सभी।	2
61	निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा अथवा कौन से, बीमा के प्रस्ताव-प्रपत्र सहित शुरू होता अथवा होते हैं? I. परम सद्भावना का सिद्धांत II. क्षतिपूर्ति का सिद्धांत III. भौतिक सूचना के प्रकटन का कर्तव्य IV. प्रत्यासन सिद्धांत	केवल II.	I एवं II.	I एवं III.	I, II, III, एवं IV.	4
62	प्रस्ताव-कर्ता से, उसके द्वारा वहन की गई पिछली हानियों, बीमाकृत की गई हैं अथवा नहीं, के संपूर्ण विवरण घोषित करने को कहा जाता हैं। यह सूचना किस लिए आवश्यक हैं? I. इससे बीमा-कर्ता को बीमा की विषय-वस्तु से संबंधित सूचना एवं बीमा-धारक द्वारा पूर्व में जोखिम को प्रबंधित करने की विधि की जानकारी मिलेगी। II. जोखिमअंकक, ऐसे जवाबों से जोखिम को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं, एवं जोखिम-निरीक्षण अथवा अतिरिक्त विवरणों को संग्रहित करने के संबंध में निर्णय ले सकते हैं।	केवल I.	केवल II.	दोनों, I एवं II, सही हैं।	वर्तमान जोखिम के जोखिम-अंकन में, भूतपूर्व हानियों की कोई भूमिका नहीं होती हैं।	3
63	जहाँ, प्रस्ताव-प्रपत्र का प्रयोग नहीं किया जाता हैं, वहाँ, बीमा-कर्ता को सभी सूचना मौखिक अथवा लिखित रुप में प्राप्त कर के दर्ज करनी होगी, और इसकी पुष्टि --- की अवधि के भीतर, प्रस्तावक के साथ करने के पश्चात, सूचना को संरक्षण-पत्री (कव्हर-नोट) अथवा पॉलिसी में शामिल करना होगा।	3 दिनों	7 दिनों	10 दिनों	15 दिनों	4
64	विवरणिका के संबंध में, निम्नलिखित कथनों में से, कौन सा अथवा कौन से, सही हैं? I. विवरणिका, सामान्यतः, एक पुस्तिका अथवा पन्ने के रूप में होती है, एवं इसका प्रयोग संभावित खरीददारों या क्रेताओं के समक्ष, किसी उत्पाद के परिचय के लिए किया जाता हैं। II. विवरणिका का निर्गम, भारतीय बीमा विनियमन एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.) अधिनियम के तहत प्रशासित हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	1
65	विवरणिका में, निम्नलिखित में से, क्या शामिल किया जाना चाहिए? I. लाभ का विषय-क्षेत्र II. बीमा-सुरक्षा की सीमा III. बीमा-सुरक्षा से संबंधित आश्वस्ति, अपवाद, एवं शर्तें	केवल I.	केवल, I एवं II.	केवल, II एवं III.	I, II, एवं III.	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
66	ऐच्छिक तथा अतिरिक्त लाभ (राइडर) के संबंध में, विवरणिका में उल्लेखित, निम्नलिखित सूचनाओं में से, कौन सी सही हैं? I. उत्पाद पर उपलब्ध अनुमत ऐच्छिक तथा अतिरिक्त लाभ (राइडर) का उल्लेख, उनके लाभ के विषय-क्षेत्र सहित, स्पष्ट रुप से लिखा जाना चाहिए। II. सभी ऐच्छिक तथा अतिरिक्त लाभों (राइडर) से संबंधित प्रीमियम, प्रमुख उत्पाद के प्रीमियम के 50% से अधिक नहीं होना चाहिए।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	1
67	प्रीमियम, बीमा के अनुबंध के तहत, बीमा की विषय-वस्तु का बीमा करने हेतु, बीमा-कृत द्वारा, बीमा-कर्ता को, प्रदत्त किया जाने वाला --- हैं।	अंशदान	भुगतान /प्रतिफल	शुल्क	अभिदान	2
68	प्रीमियम के संबंध में, निम्नलिखित कथनों में से, कौन सा अथवा कौन से, सही हैं? I. बीमा अधिनियम 1938 की धारा 64वीबी के अनुसार, बीमा-सुरक्षा की शुरुआत से पहले, बीमा का भुगतान, अग्रिम रूप से किया जाना चाहिए। II. यह धारा, भारत में, गैर-जीवन-बीमा-उद्योग की विशिष्ट विशेषता हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	1
69	प्रीमियम के संबंध में, निम्नलिखित कथनों में से, कौन सा अथवा कौन से, सही हैं? I. बीमा अधिनियम की धारा 64 वीबी, यह सुनिश्चित करती हैं, कि, बीमा-कंपनी द्वारा प्रीमियम प्राप्त किए जाने पर ही, वैध बीमा-अनुबंध, पूर्ण किया जा सकता हैं। II. बीमा अधिनियम की धारा 64वीबी, यह सुनिश्चित करती हैं, कि, बीमा-कंपनी द्वारा प्रीमियम प्राप्त किए जाने पर ही, बीमा-कंपनी द्वारा, जोखिम का अनुमान, लगाया जा सकता हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	3
70	ऐसी स्थिति में, जहाँ, बीमा-अभिकर्ता, बीमा-कर्ता की ओर से, बीमा-पॉलिसी पर प्रीमियम एकत्रित करते हैं, उसे, इस प्रकार से एकत्रित प्रीमियम की संपूर्ण राशि, बिना अपनी दलाली की कटौती किए, संग्रहण के --- के अंदर, जिसमें, बैंक एवं डाक छुट्टियाँ शामिल नहीं हैं, बीमा-कर्ता के पास जमा कर देनी चाहिए।	24 घंटों	3 दिनों	5 दिनों	7 दिनों	1
71	बीमा-पॉलिसी का प्रस्ताव देने वाले किसी भी व्यक्ति द्वारा, निम्नलिखित में से किस माध्यम द्वारा, प्रीमियम का भुगतान किया जा सकता हैं?	नकद राशि	कोई भी मान्यता-प्राप्त पराक्रम्य-लिखत	डाक धनादेश(मनी-ऑर्डर)	उपरोक्त में से कोई भी।	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
72	यदि, प्रस्ताव-कर्ता अथवा पॉलिसी-धारक, नेट-बैंकिंग अथवा क्रेडिट-कार्ड अथवा डेबिट-कार्ड के ज़रिए, प्रीमियम के भुगतान के विकल्प का चयन करते हैं, ऐसी स्थिति में, --- के नाम पर जारी, नेट-बैंकिंग खाता अथवा क्रेडिट-कार्ड अथवा डेबिट-कार्ड के ज़रिए, भुगतान किया जाना चाहिए।	प्रस्ताव-कर्ता अथवा पॉलिसी-धारक	प्रस्ताव-कर्ता अथवा पॉलिसी-धारक अथवा रक्त-संबंधी (सगा)	प्रस्ताव-कर्ता अथवा पॉलिसी-धारक अथवा परिवार का सदस्य	उपरोक्त में से कोई भी।	1
73	कखग निजी मर्यादित कंपनी ने, बीमा-सुरक्षा हेतु, आवेदन किया हैं। वास्तविक लागू दर निर्धारित करने हेतु, परिसरों का निरीक्षण किया जा रहा हैं, एवं शुद्ध प्रीमयम पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया हैं। ऐसी परिस्थिति में, जहाँ, पॉलिसी की तैयारी लंबित हैं, एवं अस्थायी आधार पर सुरक्षा प्रदान करने हेतु, बीमा-कंपनी द्वारा, निम्नलिखित में से किसे जारी किया जा सकता हैं?	बीमा-प्रमाण-पत्र	संरक्षण-पत्र / कवरनोट	अस्थायी पॉलिसी	शर्तों एवं आश्वासनों के अधीन, अल्पकालिक पॉलिसी	2
74	निम्नलिखित बीमाओं में से किस में, मुख्यतया, संरक्षण-पत्री (कव्हर-नोट) का प्रयोग किया जाता हैं? I. समुद्री-बीमा II. स्वास्थ्य-बीमा III. जीवन-बीमा IV. वाहन-बीमा	I एवं II.	III एवं IV.	I एवं IV.	II एवं III.	3
75	निम्नलिखित परिस्थितियों में से, कौन सी स्थिति में, संरक्षण-पत्री (कव्हर-नोट) के ज़रिए, अस्थायी आधार पर, बीमा-सुरक्षा प्रदान की जा सकती हैं?	जटिल पॉलिसियों के मामलों में, जहाँ, एक लंबी समझौता-वार्ता शामिल होती हैं।	ऐसी पॉलिसियाँ, जहाँ, वास्तविक-दर निर्धारित कर, लागू करने हेतु, परिसरों का निरीक्षण किया जा रहा हैं।	ऐसी पॉलिसियों में, जहाँ, सही प्रीमियम का अंतिम निर्णय नहीं लिया गया हैं।	उपरोक्त में से कोई भी।	4
76	संरक्षण-पत्री (कव्हर-नोट) से संबंधित, निम्नलिखित कथनों में से, कौन सा अथवा कौन से, सही हैं? I. संरक्षण-पत्री (कव्हर-नोट) को मुद्रांकित किया जाता हैं। II. संरक्षण-पत्री (कव्हर-नोट) पर लिखित शब्द, यह स्पष्ट करते हैं, कि, यह, उक्त वर्ग के बीमा हेतु, बीमा-कर्ता की पॉलिसी की शर्तों एवं प्रतिबंधनों के अधीन हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
77	संरक्षण-पत्री (कव्हर-नोट) से संबंधित, निम्नलिखित कथनों में से, कौन सा अथवा कौन से, सही हैं? I. यदि, जोखिम, आश्वस्ति से प्रशासित हैं, ऐसी स्थिति में, संरक्षण-पत्री (कव्हर-नोट) पर उद्धृत किया जाएगा, कि, बीमा, ऐसी आश्वस्ति के अधीन हैं। II. संरक्षण-पत्री (कव्हर-नोट) को विशेष खंड-वाक्य, जैसे सहमत बैंक खंड- घोषणा खंड-क्लॉज, आदि के अधीन, नहीं बनाया जा सकता हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	1
78	मोटर-वाहन-बीमा-पॉलिसियों के मामले में, जिन मामलों में, सबूत की आवश्यकता पड़ती हो, ---, बीमा का साक्ष्य प्रदान करता हैं।	संरक्षण-पत्र / कवरनोट	बीमा प्रमाण-पत्र	आश्वस्ति-दस्तावेज	पृष्ठांकन-दस्तावेज	2
79	--- में, पॉलिसी के अतिरिक्त, शासक अधिनियम द्वारा आवश्यक, बीमा प्रमाण-पत्र जारी किया जाता हैं।	अग्नि-बीमा	वाहन-बीमा	स्वास्थ्य-बीमा	संपदा-बीमा	2
80	मोटर-वाहन-बीमा के मामले में, बीमा-प्रमाण-पत्र, --- को, बीमा का सबूत प्रदान करता हैं। I. पुलिस II. पंजीकरण प्राधिकारीगण	केवल I.	केवल II.	दोनों, I एवं II.	किसी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं, क्योंकि, पॉलिसी-दस्तावेज ही बीमा के प्रमाण का पर्याप्त सबूत हैं।	3
81	बीमा की अवधारणा के ज़रिए संचालित, सर्वप्रथम ज्ञात जोखिम, निम्नलिखित कारण से हानि हुआ करती थी।	रेल-दुर्घटना	सडक-दुर्घटना	समुद्र में विपदा	भूकंप	3
82	पहले ज़माने में, युरोप-स्थित व्यवसाय-संघ अथवा समितियाँ, सदस्यों को, जहाज से हुई हानि, अग्नि, सदस्य की मृत्यु, अथवा पशु-धन की हानि से हुए नुकसान की भरपाई, --- पर संचालित थीं।	लाभ सहभागिता	समानता सहभागिता	अनुदान सहभागिता	माल के मूल्य की सहभागिता	3
83	पहले ज़माने में, युरोप-स्थित व्यवसाय-संघ अथवा समितियाँ, निम्नलिखत कारणों से हुई हानि के संबंध में, साझेदारी के आधार पर, निधि का प्रबंधन करती थी। I. जहाज से हुई हानि II. आग III. सदस्यों की मृत्यु IV. पशु-धन की हानि	केवल III.	I, II, अथवा III.	II अथवा IV.	I, II, III, और IV.	4
84	पहले ज़माने में, व्यापारी-गण, लंदन के लॉयड़ कॉफी हाउस में एकत्रित होकर, जहाज से ले जाए जाने वाले, अपने माल को, समुद्र से होनेवाली आपदाओं से हुई हानि को, आपस में बांट लेने पर सहमत हुआ करते थे, जिन में निम्न विकल्पों का समावेश था। I. महा-समुद्रों में समुद्री डाकुओं द्वारा लूट II. खराब समुद्री मौसम से, माल का नष्ट होना III. किसी भी कारणवश, जहाज का डूबना	केवल III.	I अथवा II.	I अथवा III.	I, II, अथवा III.	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
85	जीवन-बीमा-कंपनी अधिनियम, 1912, में, बीमांकक द्वारा, निम्नलिखित विकल्पों में से, किस के अथवा किन के संबंध में, प्रमाणीकरण किया गया? I. प्रीमियम-दर सारणी II. कंपनियों का सामयिक मूल्यांकन III. ऋण-शोधन क्षमता-सीमा IV. नए उत्पादों के वितरण की शुरुआत	केवल, विकल्प-I.	केवल, विकल्प-III.	विकल्प-I एवं विकल्प-II.	विकल्प-II एवं विकल्प-III.	3
86	बीमा के राष्ट्रीयीकरण से संबंधित, निम्नलिखित सभी कथन, --- के सिवाय, सही हैं।	1 सितंबर, 1956, को जीवन-बीमा व्यवसाय का राष्ट्रीयीकरण हुआ था।	वर्ष 1956 में, भारतीय जीवन-बीमा निगम (एल.आई.सी.) का गठन किया गया था।	जीवन-बीमा के राष्ट्रीयीकरण के समय, भारत में 170 भविष्य निधि समितियाँ एवं 75 कंपनियाँ, जीवन-बीमा व्यवसाय करती थी।	भारत में, वर्ष 1956 से वर्ष 1999 तक, भारतीय जीवन-बीमा निगम को ही जीवन-बीमा व्यवसाय करने का एकमात्र अधिकार प्राप्त हैं, ऐसा प्रतीत होता था।	3
87	बीमा के राष्ट्रीयीकरण से संबंधित, निम्नलिखित सभी कथन, --- के सिवाय, सही हैं।	वर्ष 1972 में, साधारण-बीमा व्यवसाय राष्ट्रीयीकरण अधिनियम (जी.आई.बी.एन.ए.) के पारित होने के बाद, गैर-जीवन-बीमा व्यवसाय को राष्ट्रीयकृत किया गया था।	साधारण-बीमा व्यवसाय के राष्ट्रीयीकरण के दौरान, भारतीय साधारण-बीमा निगम (जी.आई.सी.) एवं उसकी चार सहायक कंपनियों की स्थापना की गई थी।	साधारण-बीमा के राष्ट्रीयीकरण के दौरान, भारत में 75 भविष्य निधि समितियाँ और 170 साधारण-बीमा कंपनियाँ थी, जो गैर-जीवन-बीमा का व्यवसाय किया करती थी, और भारतीय साधारण-बीमा निगम (जी.आई.सी.) की स्थापना के साथ ही उनका चार कंपनियों में विलय हो गया था।	वर्ष 1956 में, भारतीय जीवन-बीमा निगम (एल.आई.सी.) का गठन किया गया था।	3
88	स्वास्थ्य-सुरक्षा कुछ नहीं, बल्कि, विभिन्न संस्थाओं और संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली, निम्नलिखित सेवा अथवा सेवाओं का एक समूह होता हैं, जिसमें सरकार भी शामिल हैं। I. जनता के स्वास्थ्य में वृद्धि लाना। II. जनता के स्वास्थ्य को कायम रखना। III. जनता के स्वास्थ्य की निगरानी करना। IV. जनता के स्वास्थ्य में सुधार लाना।	केवल IV.	I एवं IV.	II, III, एवं IV.	I, II, III, एवं IV.	4
89	स्वास्थ्यसेवा के प्रभावी होने के लिए, उसे --- होना चाहिए।	व्यापक	पर्याप्त	वहनीय	उपरोक्त में से सभी।	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
90	निम्नलिखित सभी कथन, --- के सिवाय, सही हैं।	प्रत्येक व्यक्ति का स्वास्थ्य-स्तर, एक-दूसरे से भिन्न होता हैं।	सभी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के लिए, एक समान स्तर पर, स्वास्थ्य-सेवा की मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना संभाव्य नहीं हैं।	सभी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के लिए, एक समान स्तर पर, स्वास्थ्य-सेवा की मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना आवश्यक हैं।	स्वास्थ्य-सेवा सुविधाएं, जन-समुदाय के लिए, बीमारी की व्यापकता की संभाव्यता पर आधारित होनी चाहिए।	3
91	निम्नलिखित सभी कथन, --- के सिवाय, सही हैं।	प्रत्येक व्यक्ति का स्वास्थ्य-स्तर, एक-दूसरे से भिन्न होता हैं।	सभी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के लिए, एक समान स्तर पर, स्वास्थ्य-सेवा की मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना संभाव्य हैं।	सभी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के लिए, एक समान स्तर पर, स्वास्थ्य-सेवा की मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना आवश्यक नहीं हैं।	स्वास्थ्य-सेवा सुविधाएं, जन-समुदाय के लिए, बीमारी की व्यापकता की संभाव्यता पर आधारित होनी चाहिए।	2
92	किसी भी क्षेत्र में, फिर चाहे, वह गाँव हो अथवा जिला अथवा राज्य, स्वास्थ्य-सेवा की सुविधाएँ स्थापिक करने की जरूरत, विभिन्न स्वास्थ्य-संबंधी घटकों पर आधारित होगी, जिन्हें, उस क्षेत्र के संकेतक माना जाएगा, जैसे कि: I. जन-संख्या का आकार II. मृत्यु-दर III. रुग्णता-दर	केवल III.	II एवं III.	I एवं III.	I, II, एवं III.	4
93	किसी भी क्षेत्र में, फिर चाहे, वह गाँव हो अथवा जिला अथवा राज्य, स्वास्थ्य-सेवा की सुविधाएँ स्थापिक करने की जरूरत, विभिन्न स्वास्थ्य-संबंधी घटकों पर आधारित होगी, जिन्हें, उस क्षेत्र के संकेतक माना जाएगा, जैसे कि: I. विकलांगता-दर II. लोगों की सामाजिक एवं मानसिक स्थिति III. लोगों की पोषण-संबंधी स्थिति	केवल III.	II एवं III.	I एवं III.	I, II, एवं III.	4
94	किसी भी क्षेत्र में, फिर चाहे, वह गाँव हो अथवा जिला अथवा राज्य, स्वास्थ्य-सेवा की सुविधाएँ स्थापिक करने की जरूरत, विभिन्न स्वास्थ्य-संबंधी घटकों पर आधारित होगी, जिन्हें, उस क्षेत्र के संकेतक माना जाएगा, जैसे कि: I. पर्यावरणीय घटक, जैसे, खनन-क्षेत्र अथवा कोई औद्योगिक-क्षेत्र II. कितनी स्वास्थ सेवा प्रणाली प्रयोग में लाई जानी चाहिए IIIसामाजिक-आर्थिक घटक, जैसे, वहन-योग्य क्षमता	केवल III.	II एवं III.	I एवं III.	I, II, एवं III.	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
95	प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) से संबंधित, निम्नलिखित सभी कथन, --- के सिवाय, सही हैं।	प्रत्येक 5,000 की जन-संख्या वाले क्षेत्र के लिए, एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) की स्थापना की गई हैं।	प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.), लगभग 6 उप-केंद्रों की निर्दिष्ट ईकाइयाँ हैं।	सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.), बाह्य-रुग्ण सेवाएँ प्रदान करते हैं।	अधिकांश प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) में, भर्ती किए गए रोगियों के लिए, चार से छः बिस्तर होते हैं।	1
96	प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) से संबंधित, निम्नलिखित सभी कथन, --- के सिवाय, सही हैं।	प्रत्येक 30,000 की जनसंख्या वाले क्षेत्र के लिए, प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) की स्थापना की गई हैं।	प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.), लगभग 6 उप-केंद्रों की निर्दिष्ट ईकाइयाँ हैं।	अधिकांश प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) में, भर्ती किए गए रोगियों के लिए, चार से छः बिस्तर होते हैं।	प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) का संचालन, एक महिला स्वास्थ्य-कर्मचारी, जिन्हें, सहायक नर्स दाई (ए.एन.एम.) भी कहते हैं, तथा एक पुरुष स्वास्थ्य-कर्मचारी द्वारा किया जाता हैं।	4
97	प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) से संबंधित, निम्नलिखित सभी कथन, --- के सिवाय, सही हैं।	प्रत्येक 30,000 की जनसंख्या वाले क्षेत्र के लिए, प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) की स्थापना की गई हैं।	प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.), समुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सी.एच.सी.) की निर्दिष्ट ईकाइयाँ हैं।	सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.), बाह्य-रुग्ण सेवाएँ प्रदान करते हैं।	अधिकांश प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) में, भर्ती किए गए रोगियों के लिए, चार से छः बिस्तर होते हैं।	2
98	प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) से संबंधित, निम्नलिखित सभी कथन, --- के सिवाय, सही हैं।	प्रत्येक 30,000 की जनसंख्या वाले क्षेत्र के लिए, प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) की स्थापना की गई हैं।	प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.), लगभग 6 उप-केंद्रों की निर्दिष्ट ईकाइयाँ हैं।	सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.), बाह्य-रुग्ण सेवाएँ प्रदान करते हैं।	सामान्य मानदंडों के अनुसार, प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) में, कम से कम, 30 बिस्तर, एक शल्य-क्रिया कक्ष, क्ष-किरण यंत्र, प्रसव-कक्ष, एवं प्रयोगशाला-सुविधाएँ होनीं चाहिए।	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
99	समुदाय स्वास्थ्य केंद्र (सी.एच.सी.) से संबंधित, निम्नलिखित सभी कथन, --- के सिवाय, सही हैं।	प्रत्येक 30,000 की जनसंख्या वाले क्षेत्र के लिए, समुदाय स्वास्थ्य केंद्र (सी.एच.सी.) की स्थापना की गई हैं।	समुदाय स्वास्थ्य केंद्र (सी.एच.सी.), 4 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पी.एच.सी.), की निर्दिष्ट ईकाइयाँ हैं।	समुदाय स्वास्थ्य केंद्र (सी.एच.सी.), विशेषज्ञ सेवा की सुविधाएँ, प्रदान करते हैं।	सामान्य मानदंडों के अनुसार, प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) में, कम से कम, 30 बिस्तर, एक शल्य-क्रिया कक्ष, क्ष-किरण यंत्र, प्रसव-कक्ष, एवं प्रयोगशाला-सुविधाएँ होनीं चाहिए।	1
100	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सी.एच.सी.) से संबंधित, निम्नलिखित सभी कथन, --- के सिवाय, सही हैं।	प्रत्येक 1 लाख की जनसंख्या वाले क्षेत्र के लिए, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सी.एच.सी.) की स्थापना की गई हैं।	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सी.एच.सी.), 6 उप-केंद्रों की निर्दिष्ट ईकाइयाँ हैं।	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सी.एच.सी.), विशेषज्ञ सेवा की सुविधाएँ, प्रदान करते हैं।	सामान्य मानदंडों के अनुसार, प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र (पी.एच.सी.) में, कम से कम, 30 बिस्तर, एक शल्य-क्रिया कक्ष, क्ष-किरण यंत्र, प्रसव-कक्ष, एवं प्रयोगशाला-सुविधाएँ होनीं चाहिए।	2
101	बीमा कंपनियों को तथ्यात्मक जानकारी की आवश्यकता क्यों होती हैं?	दस्तावेजीकरण-प्रयोजन	जोखिम की स्वीकृति और संबद्ध नियमों एवं शर्तों पर निर्णय लेना	नियामक आवश्यकताओं का पालन करना	ग्राहक-सेवा में सुधार करना	2
102	एक वैध अनुबंध का कौन सा तत्व, बीमा प्रीमियम से संबंधित हैं?	प्रस्ताव और स्वीकृति	अनुबंध के पक्षों की क्षमता	मुक्त सहमति	प्रतिफल	4
103	उस विकल्प की पहचान कीजिए, जो, किसी धोखाधड़ी के इरादे से दिए जाने वाले असत्य कथनों से संबंधित हैं।	प्रतिनिधित्व	असत्य-कथन	जबरदस्ती	धोखाधड़ी	2
104	उस विकल्प की पहचान कीजिए, जिसे, एक वैध अनुबंध के रूप में देखा जा सकता हैं।	श्री. रमेश, कम भाव पर, अपने मित्र से, कोई संपत्ति खरीदते हैं।	श्री. रमेश, ऐसी स्थिति में, एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करते हैं, जब, उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं हैं।	श्री. रमेश, एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए, एक अधिकारी को रिश्वत देते हैं।	श्री. महेश से, एक अनुबंध पर हस्ताक्षर कराने के लिए, श्री. रमेश, झूठी जानकारी प्रस्तुत करते हैं।	1
105	जुआ और बीमा की तुलना कीजिए।	जुआ और बीमा, दोनों, एक समान हैं।	जुआ में कोई बीमा-योग्य-हित शामिल नहीं होता हैं, लेकिन, बीमा में यह होता हैं।	बीमा का केवल लाभकारी परिणाम होता हैं, जब कि, जुआ का परिणाम नुकसान हो सकता हैं।	जुआ, कानूनी रूप से लागू करने योग्य हैं, जब कि, बीमा ऐसा नहीं हैं।	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
106	contract of Adhersion को सारांशित कीजिए।	यह अनुबंध, दोनों पक्षों द्वारा तैयार किए जाते हैं, और दोनों के द्वारा स्वीकार किए जाने चाहिए।	यह अनुबंध, एक पक्ष द्वारा तैयार किए जाते हैं, और दूसरा पक्ष, केवल इसे स्वीकार अथवा अस्वीकार कर सकता हैं।	यह अनुबंध, एक पक्ष द्वारा तैयार किए जाते हैं, और दूसरे पक्ष को इसे स्वीकार करना होता हैं।	यह अनुबंध, दोनों पक्षों पर, बाध्यकारी होते हैं।	2
107	श्री. रमेश, कंपनी को बेचने से पहले, कंपनी के तुलन-पत्र में, हेरफेर करते हैं। उनकी कार्रवाई को, निम्नलिखित विकल्पों में से एक में, वर्गीकृत कीजिए।	गलती	जबरदस्ती	असत्य-कथन	धोखाधड़ी	4
108	जीवन-बीमा की विषय-वस्तु क्या होती हैं?	प्रीमियम	मानव-जीवन	संपत्ति	साख	2
109	परम सद्भाव के सिद्धांत को दर्शाने वाले परिदृश्य का चयन कीजिए।	प्रीमियम का समय पर भुगतान करना।	एक बीमा प्रस्ताव-प्रपत्र पर, सभी तथ्यात्मक जानकारियों का खुलासा करना।	एक बीमा प्रस्ताव-प्रपत्र पर, सभी तथ्यात्मक जानकारियाँ, झूठी बताना।	एक बीमा प्रस्ताव-प्रपत्र पर, सभी अप्रासंगिक जानकारियों का खुलासा करना।	2
110	जीवन-बीमा के संबंध में, निम्नलिखित दो कथनों को देखिए, और सही विकल्प अथवा विकल्पों का चयन कीजिए। I: आयु, एक तथ्यात्मक जानकारी हैं, जो, जोखिम-अंकन की शर्तों को प्रभावित कर सकती हैं। II: अगर, आयु अलग पाई जाती हैं, तो, इसका प्रभाव केवल प्रीमियम-दर पर पड़ता हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	1
111	सामान्य क़ानून के तहत, किसी अनुबंध को खारिज करने के लिए, एक कारण का चयन कीजिए।	निराशा	गलती	असत्य-कथन	छिपाव	3
112	बीमा-अनुबंध खरीदे जाते समय, इसकी शर्तें निर्धारित करने के लिए, इस्तेमाल किए जाने वाले, दस्तावेज़ के बारे में बताइए। सबसे उचित विकल्प चुनिए।	पॉलिसी	समझौता	प्राधिकार	पृष्ठांकन	1
113	जीवन-बीमा की विषय-वस्तु में बीमा-धारक के हित को रेखांकित करें। सबसे उचित विकल्प चुनिए।	सट्टा हित	दांव का हित	बीमा-योग्य-हित	क्षतिपूर्ति का हित	3
114	बीमा-कंपनी और बीमा-धारक के बीच के समझौते का वर्णन, आप कैसे करेंगे? सबसे उचित विकल्प चुनिए।	अंतरिम समझौता	अस्थायी समझौता	स्थाई (नियत)समझौता	आकस्मिक समझौता	4
115	सामान्यतया वैध अनुबंधों और बीमा अनुबंधों के बीच का मुख्य अंतर यह हैं कि, --.	बीमा-अनुबंध, परम सद्भाव के सिद्धांत होते हैं।	बीमा-अनुबंध, कानूनी तौर पर, लागू किए जाने योग्य अनुबंध होते हैं।	बीमा-अनुबंध, हमेशा, लाभकारी होते हैं।	बीमा-अनुबंध, किसी भी विनियम के अधीन, नहीं होते हैं, चाहे जो भी हो।	1
116	श्री राजन को उस मुद्दे अथवा समय के बारे में बताइए, जब, जीवन-बीमा के मामले में, बीमा-योग्य-हित मौजूद होना चाहिए।	केवल, पॉलिसी लेने के समय।	केवल, दावा करने के समय।	पॉलिसी लेने के समय, और दावा करने के समय।	जीवन-बीमा के मामले में, कोई बीमा-योग्य-हित होना, आवश्यक नहीं होता हैं।	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
117	सुश्री. अनीता को उस मुद्दे अथवा समय के बारे में बताइए, जब, संपत्ति-बीमा के मामले में, बीमा-योग्य-हित मौजूद होना चाहिए।	केवल, पॉलिसी लेने के समय।	केवल, दावा करने के समय।	पॉलिसी लेने के समय, और दावा करने के समय।	संपत्ति-बीमा के मामले में, कोई बीमा-योग्य-हित होना, आवश्यक नहीं होता हैं।	3
118	श्री. महेश ने, अपने मकान पर, एक बीमा-पॉलिसी ली हैं। वह, पॉलिसी लेने के दो महीनों के बाद, अपना मकान बेच देते हैं। अगर मकान को कोई क्षति होती हैं, तो क्या श्री. महेश दावा प्राप्त कर सकते हैं?	हाँ, क्योंकि, पॉलिसी लेने के समय बीमा-योग्य-हित मौजूद था।	हाँ, अगर मकान के वर्तमान मालिक, अनुमति देते हैं।	हाँ, अगर, मकान बेचे जाने के एक वर्ष के भीतर, क्षति होती हैं।	नहीं, क्योंकि, यहाँ कोई बीमा-योग्य-हित मौजूद नहीं हैं।	4
119	श्री. राजन, एक घोड़े से गिरे, और कीचड़ में पहुंच गए। उन्हें, काफी देर तक कीचड़ में पड़े रहना पड़ा, क्योंकि, गिरने से, उनका पैर टूट गया था, जिसके परिणाम-स्वरूप, वे गंभीर निमोनिया की जकड़ में आ गए। एक नजदीक के अस्पताल में, उनका इलाज किया गया, जहाँ, निमोनिया के कारण, उनकी मृत्यु हो गयी। इस मामले में, मृत्यु का आसन्न या नजदीक कारण क्या हैं?	निमोनिया	गिरने के कारण पैर में लगी चोट	चिकित्सकों की लापरवाही	अस्पताल का उपचार	2
120	श्री. रमेश विवाहित हैं, और अपने मित्र के जीवन पर एक जीवन-बीमा-संरक्षण खरीदना चाहते हैं। ऐसा करने में, क्या वह सक्षम होंगे?	हाँ, श्री. रमेश, अपने मित्र के जीवन पर बीमा खरीद सकते हैं।	नहीं, श्री. रमेश, अपने मित्र के जीवन पर बीमा नहीं खरीद सकते हैं, क्योंकि, वह विवाहित हैं।	नहीं, श्री. रमेश, अपने मित्र के जीवन पर जीवन-बीमा नहीं खरीद सकते हैं, क्योंकि, यहाँ, कोई बीमा-योग्य-हित मौजूद नहीं हैं।	नहीं, श्री. रमेश, क्रेता सावधान के सिद्धांत के कारण, अपने मित्र के जीवन पर जीवन-बीमा नहीं खरीद सकते हैं।	3
121	निम्नलिखित संस्थाओं में से कौन सी, भारत में, बीमा कंपनियों को नियंत्रित करती हैं?	भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) तथा वित्त मंत्रालय, एक साथ	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय मंडल (एस.ई.बी.आई. (सेबी)) और भारतीय पारस्परिक निधि (ए.एम.एफ.आई.), एक साथ	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	वित्त-मंत्रालय	3
122	निम्नलिखित में से कौन, भारतीय बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.) द्वारा विनियमित नहीं होते हैं?	तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.)	बीमा-दलाल (ब्रोकर)	चालू खाता-बचत खाता (सी.ए.-एस.ए. (कासा)) अभिकर्ता	निगमित अभिकर्ता	3

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
123	निम्नलिखित कथनों में से कौन सा एक, गलत हैं?	बीमा विनियम का मुख्य उद्देश्य, पॉलिसी-धारक की रक्षा करना हैं।	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.) द्वारा बनाये गए विनियम, यह सुनिश्चित करने के लिए हैं, कि, बीमा-कंपनियाँ, आर्थिक रूप से सुदृढ़ संगठनों के रूप में नहीं, बल्कि, सामाजिक रूप से जिम्मेदार संगठनों के रूप में मौजूद हैं।	बीमा, भारतीय संविदा अधिनियम और देश के अन्य कानूनों के प्रावधानों के अनुपालन में, एक पूर्णतः वैध अनुबंध हैं।	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.), पंजीकरण के बाद से, कंपनियों को नियंत्रित करता हैं, और उनकी सभी प्रमुख गतिविधियों, जैसे, निवेश, लेखांकन, आदि की निगरानी करता हैं।	1
124	बीमा विनियमन का मुख्य उद्देश्य क्या हैं? सबसे उचित उत्तर चुनिए।	यह सुनिश्चित करना, कि, ग्रामीण क्षेत्रों और आबादी के कमजोर वर्गों को, पर्याप्त बीमा-संरक्षण प्राप्त होता हैं।	यह सुनिश्चित करना, कि, बीमा-कंपनियाँ, पर्याप्त लाभ अर्जित करती हैं, ताकि, वे, लंबे समय तक, अस्तित्व में बने रह सकें।	यह सुनिश्चित करना, कि, बीमा-संरक्षण, भारत के सभी नागरिकों को दिया जाता हैं।	पॉलिसी-धारक की रक्षा करना	4
125	निम्नलिखित में से कौन सी संस्था, भारत में, व्यक्तिगत अभिकर्ता के रूप में काम करने के लिए, अनुज्ञप्ति जारी कर सकती हैं?	वित्त-मंत्रालय	भारत सरकार	भारतीय जीवन-बीमा निगम (एल.आई.सी.) और भारतीय साधारण-बीमा निगम (जी.आई.सी.), संयुक्त रूप से	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	4
126	निम्नलिखित संस्थाओं में से कौन सी, भारत में, पूँजी-बाजार को नियंत्रित करती हैं?	भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.)	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय मंडल (एस.ई.बी.आई. (सेबी))	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	भारतीय पारस्परिक निधि (ए.एम.एफ.आई.)	2
127	निम्नलिखित संस्थाओं में से कौन सी, भारत में, बैंकों को नियंत्रित करती हैं?	भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.)	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय मंडल (एस.ई.बी.आई. (सेबी))	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	भारतीय पारस्परिक निधि (ए.एम.एफ.आई.)	1
128	तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.) को, निम्नलिखित संस्थाओं में से किस के द्वारा, नियंत्रित किया जाता हैं?	जीवन-बीमा परिषद और साधारण-बीमा परिषद, संयुक्त रूप से।	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	भारतीय बीमा-दलाल (ब्रोकर) संगठन	वित्त-मंत्रालय	2
129	निम्नलिखित में से कौन सा, देश का बुनियादी बीमा क़ानून हैं, जो, भारत में, बीमा-व्यवसाय को नियंत्रित करता हैं?	बीमा अधिनियम, 1938.	बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.) अधिनियम, 1999.	निक्षेप बीमा एवं ऋण जमानत निगम अधिनियम, 1961.	सार्वजनिक देयता बीमा अधिनियम, 1991.	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
130	ऐसे बीमा-अभिकर्ता, जिन के पास, जीवन-बीमा-कंपनी, साधारण-बीमा-कंपनी, स्वास्थ्य-बीमा-कंपनी, तथा दोनों में से प्रत्येक मोनो-लाईन बीमा-कंपनियाँ, के लिए, बीमा-अभिकर्ता के रूप में काम करने की अनुज्ञप्ति होती हैं, उन्हें --- कहा जाता हैं।	दलाल (ब्रोकर)	निगमित अभिकर्ता	तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.)	संयुक्त बीमा-अभिकर्ता (composite Agents)	4
131	--- की स्थापना, वर्ष: 2000 में, बीमा उद्योग को विनियमित और विकसित करने के लिए, एक स्वतंत्र प्राधिकरण के रूप में की गई थी।	भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.)	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय मंडल (एस.ई.बी.आई. (सेबी))	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए. आई.)	भारत के पारस्परिक निधि-कोषों का संगठन (ए.एम.एफ.आई. (एम्फी))	3
132	निम्नलिखित में से, कौन सी संस्था ने, पॉलिसी-धारकों के हितों के संरक्षण के लिए, विनियम निर्धारित किये हैं, जिसमें, बीमा कंपनियों और बिचौलियों, दोनों पर, दायित्व, तय किये जाते हैं?	जीवन-बीमा परिषद और साधारण-बीमा परिषद, संयुक्त रूप से।	भारतीय पॉलिसी-धारक संघ (पी.ए.आई.)	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए. आई.)	भारतीय जीवन-बीमा निगम और भारतीय साधारण-बीमा निगम, संयुक्त रूप से।	3
133	निम्नलिखित अधिनियमों में से किस में, बीमा कंपनियों की गतिविधियों की निगरानी और नियंत्रण के लिए प्रावधान शामिल हैं?	(भारतीय) बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.(आई.)) अधिनियम, 1999.	निक्षेप बीमा एवं ऋण जमानत निगम अधिनियम, 1961.	सार्वजनिक देयता बीमा अधिनियम, 1991.	बीमा अधिनियम, 1938.	1
134	अगर, बीमा-कंपनी, ऐसे आवेदकों को स्वीकार करती हैं, जो, सामान्य से अधिक जोखिम पर हैं अथवा बीमा-योग्य नहीं हैं, लेकिन, उनकी वास्तविक स्थिति अथवा परिस्थिति के बारे में जानकारी को छुपाती हैं अथवा गलत जानकारी प्रस्तुत करती हैं, ताकि, उनका बीमा किया जा सके; तो इसे --- के रूप में जाना जाएगा। सबसे उचित विकल्प चुनिए।	बीमा-जाँच	प्रतिकूल-चयन	जोखिम-अंकन की चूक	प्रस्ताव की समीक्षा	3
135	बीमा अधिनियम, ------, को लागू हुआ था।	1 जून, 1938	1 जुलाई, 1938	1 जून, 1939	1 जुलाई, 1939	3
136	(भारतीय) बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.(आई.)) की स्थापना वर्ष: ---, में (भारतीय) बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.(आई.)) अधिनियम, 1999, के तहत की गई थी।	1999	2000	2002	2003	2
137	बीमा अधिनियम, 1938, के --- के तहत, बीमा-पॉलिसी लेने के लिए प्रलोभन के रूप में छूट का उपयोग करने पर रोक लगाई हैं।	धारा 38	धारा 41	धारा 45	धारा 64VB	2
138	बीमा अधिनियम, 1938, के --- के तहत, बीमा पॉलिसियों के नामांकन के लिए नियम, निर्धारित किए हैं।	धारा 39	धारा 41	धारा 45	धारा 64-व्ही.बी.	1
139	निर्दिष्ट-व्यक्ति की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, --- हैं।	कक्षा 10	कक्षा 12	स्नातक	स्नात्कोतर	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
140	बीमा-कंपनी के बीमा-अभिकर्ता के रूप में नियुक्ति की मांग करने वाले आवेदक, प्रपत्र --- में, बीमा-कंपनी के --- के पास, एक आवेदन प्रस्तुत करेंगे।	I-A, नामित अधिकारी	I-A, अपीलीय अधिकारी	I-B, नामित अधिकारी	I-B, अपीलीय अधिकारी	1
141	एकीकृत शिकायत-प्रबंधन-प्रणाली, --- द्वारा शुरू की गई हैं।	भारतीय पॉलिसी-धारक संघ	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	जीवन-बीमा परिषद	भारत सरकार	2
142	निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा वैध उपभोक्ता शिकायत का आधार बन सकता हैं?	दुकानदार, उत्पाद पर, कोई छूट नहीं देते हैं।	दुकानदार द्वारा लिया गया मूल्य, आवरण पर प्रदर्शित मूल्य के अनुसार हैं।	दुकानदार, एक निश्चित उत्पाद उपलब्ध कराने में विफल रहते हैं।	उपभोक्ता द्वारा खरीदे गए सामानों में, एक अथवा एक से अधिक दोष हैं।	4
143	निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प तक विकल्प एक वैध उपभोक्ता-शिकायत के लिए आधार नहीं बन सकता हैं?	दुकानदार द्वारा लिया गया मूल्य, आवरण पर प्रदर्शित मूल्य से अधिक हैं।	उपभोक्ता द्वारा खरीदे गए सामानों में, एक अथवा एक से अधिक दोष हैं।	दुकानदार, एक निश्चित उत्पाद उपलब्ध कराने में विफल रहते हैं।	एक अनुचित व्यापार-प्रथा अथवा प्रतिबंधात्मक व्यापार-प्रथा अपनाई गयी हैं।	3
144	बीमा-उद्योग में शिकायत निवारण की निगरानी का एक साधन, निम्नलिखित में से कौन हैं?	राष्ट्रीय आयोग	लोकपाल	एकीकृत शिकायत-निवारण प्रणाली (आई.जी.एम.एस.)	राज्य आयोग	3
145	निम्नलिखित में से, कौन सी उपभोक्ता-विवाद-निवारण-संस्था के पास, एक नागरी न्यायालय (सिविल कोर्ट) के अधिकार होते हैं?	जिला-मंच	राज्य आयोग	राष्ट्रीय आयोग	उपरोक्त में से सभी।	4
146	निम्नलिखित में से कौन सी उपभोक्ता-विवाद-निवारण संस्था के पास, राज्य आयोग पर पर्यवेक्षी क्षेत्राधिकार हैं?	जिला-मंच	राष्ट्रीय आयोग	बीमा-लोकपाल	उपरोक्त में से कोई भी नहीं।	2
147	निम्नलिखित में से कौन, बीमा-धारक और बीमा-कंपनी की आपसी सहमति से, किसी विवाद के मामले में, संदर्भ की शर्तों के भीतर, एक मध्यस्थ और सलाहकार के रूप में, काम कर सकते हैं? सबसे उचित विकल्प चुनिए।	बीमा-अभिकर्ता	लोकपाल	बीमा-कर्ता	बीमा-दलाल (ब्रोकर)	2
148	अगर, कोई ग्राहक, जिला-मंच द्वारा दिए गए किसी आदेश से असंतुष्ट हैं, तो, वह, ऐसे आदेश के विरुद्ध कहां अपील कर सकते हैं?	राज्य आयोग	राष्ट्रीय आयोग	लोकपाल	कोई अपील नहीं की जा सकती हैं।	1
149	अगर, कोई ग्राहक, राज्य आयोग द्वारा दिए गए किसी आदेश से असंतुष्ट हैं, तो, वह, ऐसे आदेश के विरुद्ध कहां अपील कर सकते हैं?	जिला-मंच	राष्ट्रीय आयोग	लोकपाल	कोई अपील नहीं की जा सकती हैं।	2
150	निम्नलिखित में से, कौन सा अधिनियम, भारत में उपभोक्ताओं के विवादों के निपटान के लिए, उपभोक्ता-परिषद और अन्य प्राधिकरणों के गठन के लिए प्रावधान करता हैं?	बीमा अधिनियम, 1938.	विमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.) अधिनियम, 1999.	बैंकिंग विनियम अधिनियम, 1949.	उपभोक्ता संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2002.	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
151	निम्नलिखित में से, किसके पास, राज्य आयोग पर पर्यवेक्षी क्षेत्राधिकार होते हैं?	जिला-मंच	राष्ट्रीय आयोग	लोकपाल	उपरोक्त में से कोई भी नहीं।	2
152	किसी शिकायत के मामले में, लोकपाल द्वारा अधिकतम कितनी राशि का फैसला दिया जा सकता हैं?	रुपए 10 लाख तक	रुपए 20 लाख तक	रुपए 50 लाख तक	रुपए 1 करोड तक	2
153	एक उपभोक्ता-अदालत में, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया के संबंध में, निम्नलिखित कथनों में से कौन सा, गलत हैं?	स्वयं शिकायत-कर्ता के अलावा कोई भी अन्य व्यक्ति, राज्य आयोग अथवा राष्ट्रीय आयोग के पास, एक शिकायत दर्ज नहीं कर सकते हैं।	राज्य आयोग अथवा राष्ट्रीय आयोग में शिकायत दर्ज करने के लिए कोई शुल्क नहीं होते हैं।	शिकायत, व्यक्तिगत रूप से दर्ज की जा सकती हैं अथवा डाक द्वारा भी भेजी जा सकती हैं।	शिकायत दर्ज करने के लिए, किसी वकील की आवश्यकता नहीं होती हैं।	1
154	निम्नलिखित में से, किसे, उपभोक्ता संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2002, के अनुसार, 'उपभोक्ता' की परिभाषा में शामिल नहीं किया जाता हैं?	कोई भी व्यक्ति, जो, एक प्रतिफल के बदले में, कोई सामान खरीदते हैं, और, इस में, इस तरह के सामान के कोई भी उपयोगकर्ता शामिल हैं।	कोई भी व्यक्ति, जो, एक प्रतिफल के बदले में, कोई सेवा किराए पर लेते हैं अथवा उसका लाभ उठाते हैं।	कोई भी व्यक्ति, जो, किसी सेवा का लाभ उठाते हैं, और उस सेवा के लाभार्थी भी हैं।	ऐसे व्यक्ति, जो, पुनःबिक्री के लिए अथवा किसी व्यावसायिक प्रयोजन के लिए, सामान प्राप्त करते हैं।	4
155	निम्नलिखित कथनों में से कौन सा एक, उन सिफारिशों के संबंध में गलत हैं, जिनका अनुसरण करना, लोकपाल के लिए आवश्यक होता हैं?	इस तरह की शिकायत प्राप्त होने के 6 महीनों के भीतर, सिफारिश की जानी चाहिए।	प्रतियाँ, शिकायतकर्ता और बीमा-कंपनी, दोनों को भेजी जानी चाहिए।	सिफारिशों को, इस तरह की शिकायत प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर, शिकायत-कर्ता द्वारा लिखित रूप में, स्वीकार किया जाना चाहिए।	बीमा-धारक द्वारा स्वीकृति-पत्र की एक प्रति, बीमा-कंपनी को भेजी जानी चाहिए, और इस तरह का स्वीकृति पत्र प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर, उसकी लिखित पुष्टि, मांगी जानी चाहिए।	1
156	अगर, कोई पॉलिसी-धारक, राष्ट्रीय आयोग के पास एक शिकायत दर्ज कराना चाहते हैं, तो, उनके द्वारा कितनी राशि का शुल्क देय होता हैं?	रुपए 100/-	दावा राशि का 2.5% अथवा रुपए 500/-, जो भी कम हो।	दावा राशि का 1%	राष्ट्रीय आयोग के पास ग्राहक-शिकायत दर्ज करने के लिए, कोई भी शुल्क देय नहीं होता हैं।	4
157	निम्नलिखित में से कौन, बीमा शिकायत सूचना का एक केंद्रीय भंडार हैं?	राष्ट्रीय आयोग	लोकपाल	एकीकृत शिकायत प्रबंधन प्रणाली (आई.जी.एम.एस.)	राज्य आयोग	3

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
158	निम्नलिखित में से कौन सी उपभोक्ता-विवाद-निवारण संस्था, जिला-मंच की अपीलों पर विचार करती हैं?	राज्य आयोग	राष्ट्रीय आयोग	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	कोई अपील नहीं की जा सकती हैं।	1
159	निम्नलिखित में से, कौन सी उपभोक्ता विवाद-निवारण-अभिकरण-संस्था, किसी राज्य आयोग के आदेशों के विरुद्ध अपीलों पर विचार करती हैं?	जिला-मंच	राष्ट्रीय आयोग	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	कोई अपील नहीं की जा सकती हैं।	2
160	अगर, कोई पॉलिसी-धारक, किसी शिकायत के विरुद्ध, बीमा-कंपनी से रुपए 20 लाख तक का मुआवजा प्राप्त करना चाहते हैं, तो, वह, कहाँ शिकायत दर्ज कर सकते हैं? सबसे उचित विकल्प चुनिए।	जिला-मंच	राज्य आयोग	राष्ट्रीय आयोग	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	1
161	निम्नलिखित में से, क्या, सेवा की गुणवत्ता का एक प्रत्यक्ष सूचक, <u>नहीं</u> हैं?	विश्वसनीयता	समानुभूति	आश्वासन	बिक्री के आंकड़े	4
162	निम्नलिखित में से कौन, ग्राहक आजीवन-मूल्य की दिशा में, एक योगदान-कारक नहीं हैं?	ऐतिहासिक	वर्तमान	संभावित	प्रत्याशित	4
163	आई.जी.एम.एस. का सही विस्तारित रूप चुनिए।	इंडो-जर्मन मैनेजमेंट स्कूल	एकीकृत सरकारी प्रबंधन प्रणाली	भारतीय जीनोम मैपिंग योजना	एकीकृत शिकायत प्रबंधन प्रणाली	4
164	---, नियमों एवं विनियमों का एक संग्रह हैं, जो, पॉलिसी-धारकों की शिकायतों और चिंताओं का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए नियम और दिशानिर्देश तय करता हैं।	शिकायत-निपटान प्रक्रियाएं	शिकायत-निवारण प्रक्रियाएँ	जोखिम-शिकायत प्रक्रियाएँ	क्षति-शिकायत प्रक्रियाएँ	2
165	जन-शिकायत कानून निवारण 1998, --- के व्दारा बनाया गया कानून के नाम से जाना जाता हैं।	भारतीय बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी (एन.बी.एफ.सी.)	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय मंडल (एस.ई.बी.आई.(सेबी))	केंद्र सरकार	4
166	कारणों पर आवंटन अथवा स्थानांतरण के बारे में, लिखित रूप में, पॉलिसी-धारक को बताया जाएगा, जो, इस बात के अधीन हैं, कि, ऐसे निर्णय को --- के समक्ष याचिका के माध्यम से चुनौती दी जा रही हैं।	शिकायत-निवारण-प्राधिकरण	ग्राहक-निवारण-प्राधिकरण	विक्रेता-निराकरण-प्राधिकरण	प्रशासनिक-निराकरण-प्राधिकरण	1
167	एक बीमा-धारक, --- के तहत, लोकपाल से संपर्क करके, विवाद को हल कर सकते हैं।	शिकायत-निपटान-प्रक्रिया	शिकायत-निवारण-प्रक्रिया	जोखिम-शिकायत-प्रक्रिया	लोक-शिकायत-निवारण-नियमावली	4
168	उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के मुख्य उद्देश्य, निम्नलिखित में से, क्या हैं? (i) पॉलिसी-धारकों के हितों की रक्षा करना। (ii) निवेशकों के हितों की रक्षा करना। (iii) उपभोक्ता-शिकायतों का सरल, त्वरित, और सस्ता निवारण प्रदान करना।	केवल (i) सही हैं।	(i) और (ii), दोनों, सही हैं।	केवल (iii) सही हैं।	(i) और (iii), दोनों, सही हैं।	3
169	"लोक-शिकायत-निवारण-नियम, 1998", --- को अस्तित्व में आया	12 अक्तूबर, 1991	11 नवंबर, 1998	13 दिसंबर, 1997	14 सितंबर, 1983	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
170	लोक शिकायत निवारण नियमों के उद्देश्य, निम्नलिखित में से, क्या हैं? (i) विवादों के निपटान से संबंधित शिकायतों के समाधान का लक्ष्य बनाना। (ii) उपभोक्ता के हितों का संरक्षण। (iii) उपभोक्ता को शिकायत उपलब्ध कराना।	केवल (i) सही हैं।	(i) और (ii), दोनों, सही हैं।	केवल (iii) सही हैं।	(i) और (iii), दोनों, सही हैं।	1
171	लोकपाल के कार्य, निम्नलिखित में से, क्या हैं? (i) उपभोक्ता की शिकायतों का निवारण। (ii) उपभोक्ता के हितों का संरक्षण। (iii) पॉलिसी-धारकों के शिकायतों का निवारण।	केवल (i) सही हैं।	(i) और (ii), दोनों, सही हैं।	केवल (iii) सही हैं।	(i) और (iii), दोनों, सही हैं।	3
172	आयोग द्वारा, निम्नलिखित में से, किस की सिफारिश की गई हैं, कि, इनसे निपटने के लिए, शिकायत निवारण प्राधिकरण (जी.आर.ए.) गठित किया जाना चाहिए? (i) बीमा-धारक और बीमा-कंपनी के बीच के विवाद। (ii) बीमा-धारक और बिचौलियों के बीच के विवाद। (iii) बीमा-कंपनी और बिचौलियों के बीच के विवाद। (iv) बीमा-धारक, बीमा-कंपनी, और बिचौलियों के बीच के कोई भी विवाद।	(i) और (ii), दोनों, सही हैं।	(i) और (iii), दोनों, सही हैं।	(ii) और (iii), दोनों, सही हैं।	केवल (iv) सही हैं।	4
173	बीमा-धारक और बीमा-कंपनी के बीच विवादों को कौन देखते हैं?	ग्राहक-समूह	शिकायत-निवारण-प्राधिकरण	उपभोक्ता-प्राधिकरण	उपभोक्ता-आयोग	2
174	बीमा-कंपनी और बिचौलियों के बीच के विवादों को कौन देखते हैं?	ग्राहक-प्राधिकरण	उपभोक्ता-समूह	उपभोक्ता-प्राधिकरण	शिकायत-निवारण-प्राधिकरण	4
175	--- का तृतीय-पक्ष मोटर-वाहन-बीमा और समुद्री-बीमा से संबंधित मामलों में, कोई अधिकार-क्षेत्र नहीं होगा।	उपभोक्ता-आयोग	उपभोक्ता-प्राधिकरण	शिकायत-निवारण-प्राधिकरण (जी.आर.ए.)	उपभोक्ता-समूह	3
176	लोक शिकायत निवारण नियम, 1998, ने --- की प्रणाली बनायी।	बीमा अभिकर्ता	बीमा-सर्वेक्षक	बीमा-लोकपाल	उपभोक्ता-मंच	3
177	उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, किस तिथि को बनाया गया था।	11 अप्रैल, 1974	24 दिसंबर, 1968	24 दिसंबर, 1986	22 नवंबर, 1968	3
178	निम्नलिखित में से क्या, गैर-मौखिक संवाद का एक उदाहरण <u>नहीं</u> हैं?	हाथ की मुद्रा से, 'सही' का संकेत करना	एक खाली कमरे में मुद्राएं दिखाना	गहने पहनना	अपनी आवाज ऊँची करना	2
179	व्यक्तिगत दूरी को, --- के रूप में परिभाषित किया गया हैं।	18 इंच से 4 फीट तक	12 फीट और अधिक	18 इंच के करीब	4 फीट से 12 फीट	1
180	गैर-मौखिक संवाद, --- से बना हैं।	बातों के अलावा व्यवहार, जिस का उद्देश्य, एक संदेश देना हैं	शारीरिक भाषा की गतिविधियाँ	ऐसा कोई भी दृष्टांत, जिस में, बातों के अलावा, कोई अन्य उत्प्रेरक, प्रेषक अथवा प्राप्तकर्ता के मस्तिष्क में अर्थ उत्पन्न करता हैं	सभी मानवीय व्यवहार	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
181	आधुनिक बीमा के उत्पत्ति के स्थान की पहचान कीजिए।	रोम की वेटिकन सिटी	बेबीलोन के हैंगिंग उद्यान	लंदन का लॉयड्स कॉफ़ी हाउस	न्यूयॉर्क का बिग एप्पल	3
182	निम्नलिखित में से, किस का उपयोग, सामान्यतः, बीमा का वर्णन करने के लिए, किया जा सकता हैं?	गरीबों को अनुदान देना।	जनता के नुकसानों का दांव लगाना।	दूसरों के नुकसानों से मुनाफ़ा कमाना।	कुछ लोगों के नुकसानों को कई लोगों द्वारा बांटा जाना।	4
183	रोड्स के निवासियों ने, एक प्रथा अपनाई थी, जिसमें, अगर विपत्ति के दौरान, बचाव के कारण, कुछ सामान का नुकसान होता था, तो, सामान के मालिक (यहाँ तक कि, वे भी, जिनका कोई नुकसान नहीं हुआ हैं), सामान के अनुपात में, नुकसान को वहन करता था। इस परिदृश्य में, कौन सी घटना का उदाहरण दिया गया हैं?	पूंजीवाद	समाजवाद	पारस्परिक-बीमा	निरंकुशता	3
184	बीमा के संबंध में एकत्रीकरण ('पूलिंग') के सिद्धांत को समझाइए।	सामान संपत्तियाँ रखने वाले और सामान जोखिमों के दायरे में आने वाले लोगों को एकत्र करना।	अलग-अलग प्रकार की संपत्तियाँ रखने वाले, और अलग-अलग जोखिमों के दायरे में आने वाले, लोगों को एकत्र करना।	समान प्रकार की संपत्तियाँ रखने वाले, लेकिन, अलग-अलग जोखिमों के दायरे में आने वाले, लोगों को एकत्र करना।	अलग-अलग प्रकार की संपत्तियाँ रखने वाले, और समान जोखिमों के दायरे में आने वाले, लोगों को एकत्र करना।	1
185	पुराने जमाने में, चीनी व्यापारी, जोखिम-भरे समुद्र से गुजरते समय, अपने सामानों को अलग-अलग नौकाओं में रख लेते थे। कारण बताइए।	चीनी नौकाएँ छोटी होती थीं, और उनमें, भारी सामान लादे जाते थे।	चीनी सरकार ने यह अनिवार्य कर दिया था, कि, सामानों को कई शिपिंग-कंपनियों के बीच, इस प्रकार बांटा जाना चाहिए, कि व्यवसाय का एक समान वितरण हो सके।	चीनी व्यापारी, अपने सामानों को कई नौकाएं में रख लेते थे, क्योंकि, इससे कुल नुकसान के प्रति बीमा मिलता था।	चीनी व्यापारी, अपने सामानों को, कई नौकाएं में रख लेते थे, क्योंकि, यह सस्ता पड़ता था।	3
186	निम्नलिखित विकल्पों में से, एक गैर-भौतिक संपत्ति को पहचानिए।	कार	मकान	साख	वातानुकूलक (एयर-कंडीशनर)	3
187	श्री. मनीष, अपने बीमा-सलाहकार से बीमा के प्राथमिक उद्देश्य के बारे में, पूछते हैं। निम्नलिखित विकल्पों में से, बीमा के प्राथमिक उद्देश्य की पहचान करने में, श्री. मनीष की सहायता कीजिए।	कई लोगों के नुकसानों को, कई लोगों के बीच बाँटना।	कई लोगों के नुकसानों को, कुछ लोगों के बीच बाँटना।	कुछ लोगों के नुकसानों को, कई लोगों के बीच बाँटना।	सट्टा लगाना।	3
188	बीमा के निर्माण का कारण क्या था?	खतरे	क्षतिपूर्ति	नुकसान	जोखिम	4
189	निम्नलिखित जोखिम-प्रबंधन-विधियों में से कौन सी, स्वयं-बीमा के रूप में भी जानी जाती हैं?	जोखिम-विमुखता	जोखिम-प्रतिधारण	जोखिम-न्यूनन तथा जोखिम-नियंत्रण	जोखिम-अंतरण	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
190	आप, बीमा खरीदने का विकल्प, कब चुनेंगे?	आकस्मिक घटना, घटित होने के बाद।	जब, घटना घटित होने की संभाव्यता कम हैं, लेकिन, इसकी गंभीरता अधिक हैं।	जब, घटना घटित होने की संभाव्यता के साथ-साथ, इसकी गंभीरता कम होती हैं।	जब, आप, अपने आप, आकस्मिक घटना के नुकसानों का वित्तपोषण कर सकते हैं।	2
191	निम्नलिखित में से कौन, पहली भारतीय बीमा-कंपनी हैं?	ओरिएंटल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	ट्राइटन इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	बॉम्बे म्यूच्युअल एश्योरेंस सोसायटी लिमिटेड	नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	3
192	भारत में, जीवन-बीमा के राष्ट्रीयकरण के परिणाम-स्वरूप, निर्मित, सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन-बीमा-कंपनी का नाम बताइए।	भारतीय साधारण-बीमा निगम	भारतीय जीवन-बीमा निगम	ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया	नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	2
193	एक व्यक्ति द्वारा, बीमा खरीदे जाने के समय, अपनाई जाने वाली जोखिम-प्रबंधन-तकनीक की चर्चा कीजिए।	जोखिम-विमुखता	जोखिम-प्रतिधारण	जोखिम-अंतरण	जोखिम-न्यूनन	3
194	बीमा (इन्श्युरन्स) और जीवन-बीमा (ॲश्युरन्स) के बीच के अंतर को समझाइए।	बीमा (इन्श्युरन्स): एक ऐसी घटना के विरुद्ध सुरक्षा, जो घटित होगी। जीवन-बीमा (ॲश्युरन्स): एक ऐसी घटना के विरुद्ध सुरक्षा, जो घटित हो सकती हैं।	बीमा (इन्श्युरन्स): एक ऐसी घटना के विरुद्ध सुरक्षा, जो घटित हो सकती हैं। जीवन-बीमा (ॲश्युरन्स): एक ऐसी घटना के विरुद्ध सुरक्षा, जो घटित होगी।	बीमा (इन्श्युरन्स) और जीवन-बीमा (ॲश्युरन्स) दोनों, एक ही बात को दर्शाते हैं।	बीमा (इन्श्युरन्स): एक ऐसी घटना के विरुद्ध आश्वस्त सुरक्षा, जो घटित हो सकती हैं। जीवन-बीमा (ॲश्युरन्स): एक ऐसी घटना के विरुद्ध सुरक्षा, आश्वस्त नहीं हैं, जो घटित हो सकती हैं।	2
195	श्री. पोद्दार ने, अपने घर में, विद्युत-रोधित ताराओं का प्रयोग किया, ताकि, आग के कारण होने वाली क्षति की संभाव्यता को कम किया जा सकें। यहाँ अपनाई गई जोखिम-प्रबंधन-तकनीक की पहचान कीजिए।	जोखिम-विमुखता	जोखिम-प्रतिधारण	जोखिम-अंतरण	जोखिम-न्यूनन तथा जोखिम-नियंत्रण	4
196	सुश्री. शाहीन, गंतव्य देश में चल रही हिंसा के कारण, एक व्यावसायिक-यात्रा पर, इराक जाने से मना कर देती हैं। यहाँ अपनाई गई, जोखिम-प्रबंधन-तकनीक की पहचान कीजिए।	जोखिम-विमुखता	जोखिम-प्रतिधारण	जोखिम-अंतरण	जोखिम-न्यूनन तथा जोखिम-नियंत्रण	1
197	श्री. सुरेश ने, एक जीवन-बीमा-पॉलिसी खरीदी हैं, ताकि उनकी अ-समयिक मृत्यु की स्थिति में, उनके परिवार के सदस्यों को, किसी अन्य व्यक्ति पर निर्भर ना रहना पड़े। यहाँ अपनाई गई, जोखिम-प्रबंधन-तकनीक की पहचान कीजिए।	जोखिम-विमुखता	जोखिम-प्रतिधारण	जोखिम-अंतरण	जोखिम-न्यूनन तथा जोखिम-नियंत्रण	3

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
198	सुश्री. स्मिता ने एक आरक्षित निधि-कोष बनाया हुआ हैं, जिसका उपयोग, किसी वजह से मकान के क्षतिग्रस्त हो जाने की स्थिति में, मरम्मतों के लिए, किया जाएगा। यहाँ अपनाई गई जोखिम-प्रबंधन-तकनीक की पहचान कीजिए।	जोखिम-वित्तपोषण	जोखिम-प्रतिधारण	जोखिम-अंतरण	जोखिम-न्यूनन तथा जोखिम-नियंत्रण	1
199	निम्नलिखित कथनों में से, कौन सा, सही हैं?	बीमा, क्षति होने से, संपत्ति की सुरक्षा करता हैं।	बीमा, नुकसानों को रोकता हैं।	बीमा, नुकसान की संभाव्यता को कम कर देता हैं।	बीमा, किसी नुकसान की घटना में, बीमा-धारक की क्षतिपूर्ति करता हैं।	4
200	आप, एक बीमा-सर्वेक्षक हैं। बीमा-कंपनी की ओर से, आप, बीमा करने से पहले, किसी संपत्ति का सर्वेक्षण और निरीक्षण क्यों करेंगे?	दर-निर्धारण के प्रयोजनों के लिए, जोखिम का मूल्यांकन	आसपास की चीजों को देखकर, संपत्ति के मूल्य पर पहुँचना	यह पता लगाना, कि, संपत्ति, शहर से कितनी दूर हैं।	आस-पड़ोस की संपत्तियों पर भी एक नज़र डालना।	1
201	मूलतः, मानव-जीवन-मूल्य की अवधारणा का प्रस्ताव, किसने ने किया था?	विलियम फॉकनर	श्री. एन. मल्होत्रा	अर्थशास्त्री एडम स्मिथ	प्राध्यापक ह्युबनर	4
202	एक परिसंपत्ति का, सामान्य रुप में, वर्णन कीजिए। सर्वाधिक उचित विकल्प चुनिए।	एक परिसंपत्ति ऐसी चीज होती हैं, जो मुक्त रुप से उपलब्ध होती हैं।	एक परिसंपत्ति ऐसी चीज होती हैं, जो एक मूल्य अथवा एक प्रतिफल का सर्जन करती हैं।	एक परिसंपत्ति ऐसी चीज होती हैं, जो कोई भी प्रतिफल का सर्जन नहीं करती हैं, और केवल एक उपयुक्तता प्रदान करती हैं।	एक परिसंपत्ति ऐसी चीज होती हैं, जिस का स्वामित्व नहीं हो सकता हैं।	2
203	क्षतिपूर्ति का सिद्धांत --- के लिए लागू होता हैं।	जीवन-बीमा	साधारण-बीमा	जीवन-बीमा और साधारण-बीमा	न तो जीवन-बीमा, और न ही साधारण-बीमा	2
204	निम्नलिखित में से किसको सामान्य लोगों व्दारा सामना करना वाली जोखिमों के तहत, वर्गीकृत नहीं किया जा सकता हैं?	बहुत लंबे समय तक जीवित रहना।	बहुत जल्दी मर जाना।	प्राकृतिक टूट-फूट।	विकलांगता के साथ जीवित रहना।	3
205	मानव जीवन मूल्य (एच.एल.व्ही.) की गणना करते समय, जिन दो घटकोंपर विचार किया जाना चाहिए, उन्हें पहचानिए।	कमाने वाले व्यक्ति की शुद्ध आय, और परिवार के सदस्यों की संख्या	कमाने वाले व्यक्ति की शुद्ध आय, और वार्षिक ब्याज-दर	कमाने वाले व्यक्ति की शुद्ध आय, और उनके काम का प्रकार	कमाने वाले व्यक्ति की शुद्ध आय, और खरीदा गया बीमा	2
206	निम्नलिखित में से कौन सी विधि, एक परंपरागत विधि हैं, जो, किसी व्यक्ति के लिए बीमा की आवश्यकता निर्धारित करने में मदद कर सकती हैं?	मानव-संपदा-मूल्य	जीवन-अवधि-प्रस्ताव	मानव-जीवन-मूल्य	भविष्य का जीवन-मूल्य	3
207	ऐसे घटक को पहचानिए, जो, जीवन बीमा व्यवसाय का एक हिस्सा नहीं हैं।	परिसंपत्ति	जोखिम	प्रस्परता का सिध्दान्त	सट्टा	4
208	निम्नलिखित में से कौन एक, परिसंपत्ति नहीं हो सकता हैं?	हवा	कार	मकान	साख	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
209	"अवधि जीवन-बीमा खरीदिएँ, और शेष अन्यत्र निवेश कीजिए" के लिए, प्राथमिक तर्क क्या हैं? सर्वाधिक उचित विकल्प चुनिए।	अवधि जीवन-बीमा, जीवन-बीमा का सर्वाधिक बेहतर रुप हैं।	शेष प्रीमियम को अन्य निवेश-पत्रों में निवेश करके एक उच्चतर प्रतिफल सर्जित किया जा सकता हैं।	शेष प्रीमियम इक्विटी में निवेश करके, पॉलिसी-धारक उच्चतर जोखिम ले सकते हैं।	गैर-अवधि जीवन-बीमा के प्रतिफल कम होते हैं।	2
210	निम्नलिखित में से, --- के सिवाय, सभी, नकद-मूल्य बीमा-अनुबंधों के लाभ होते हैं।	बचत-अनुशासन को बढावा देते हैं	सावधान और सुरक्षित निवेश	आय-कर लाभ	कम प्रतिफल	4
211	निम्नलिखित में से, --- के सिवाय, सभी, नकद-मूल्य बीमा-अनुबंधों के अ-लाभ होते हैं।	कम प्रतिफल	सावधान और सुरक्षित निवेश	मुद्रास्फीति के गंज-कारक प्रभाव के अधीन प्रतिफल	शुरुआती वर्षों मे, कम संचय	2
212	निम्नलिखत कथनों में से कौन सा एक, <u>गलत</u> हैं?	पारस्परिकता के तहत, विभिन्न व्यक्तियों के निधि-कोष, एकत्रित किए जाते हैं।	पारस्परिकता को एकत्रीकरण (पूलिंग) के नाम से भी जाना जाता हैं।	पारस्परिकता के तहत, हमारे पास, एक स्त्रोत से कईयों तक, प्रवाहित होने वाला, निधि-कोष होता हैं।	पारस्परिकता, किसी के असामयिक मृत्यु के परिणाम-स्वरुप होनेवाली, आर्थिक हानि के प्रति, संरक्षण प्रदान करती हैं। इस हानि को एक निधि-कोष के माध्यम से समर्थित और संबोधित किया जाता हैं, जो जीवन-बीमा अनुबंधों में प्रवेश करनेवाले अनेकों के अंशदानों को एकत्रित करता हैं।	3
213	श्री. राजन, एक वर्ष में, रुपए १,२०,००० अर्जित करते हैं, और स्वयं के लिए, रुपए २४,००० खर्च करते हैं। मान लीजिए कि, ब्याज-की-दर ८% (०.०८ दर्शाई गई) हैं। इस मामले में, मानवी जीवन मूल्य (एच.एल.व्ही.) की गणना कीजिए।	रुपए १२ लाख।	रुपए १३ लाख।	रुपए १४ लाख।	रुपए १५ लाख।	1
214	श्री. रमेश ५५-वर्षीय हैं, और उन की सेवा-निवृत्ति के लिए, ५ कार्य-वर्ष बाकी हैं। वर्तमान में, उन की वार्षिक आय, रुपए ५ लाख हैं, और उन्हों ने रुपए १५ लाख की एक जीवन-बीमा पॉलिसी खरीदी हैं। यदि वह, वर्तमान वर्ष में ही, समय-पूर्व मृत हो जाते हैं, तब, उन का परिवार, जीवन-बीमा कम्पनी की ओर से कितनी राशि प्राप्त करेंगे?	रुपए २० लाख।	रुपए १५ लाख।	रुपए १० लाख।	रुपए ५ लाख।	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
215	बीमा के संबंध में, आश्वासन के अनुबंधों और क्षतिपूर्ति के अनुबंधों में भिन्नता कीजिए।	आश्वासन के अनुबंधों के तहत, घटना के बाद, देय-लाभ निर्धारित होता हैं।	क्षतिपूर्ति के अनुबंधों के तहत, देय-लाभ, पहले से नियत होते हैं।	आश्वासन के अनुबंधों के तहत, घटना से पहले, देय-लाभ निर्धारित होता हैं।	क्षतिपूर्ति के अनुबंधों के तहत, यदि घटना होती हैं, तो कोई भी लाभ, देय नहीं होता हैं।	3
216	सुश्री. प्राजक्ता, प्रति वर्ष, रुपए २,४०,००० अर्जित करती हैं। वह, स्वयं के लिए, प्रति वर्ष, रुपए १ लाख खर्च करती हैं। बाजार में ब्याज-की-दर ७% हैं। सुश्री. प्राजक्ता के जीवन-बीमा राशि का गणन,मानवी जीवन मूल्य (एच.एल.व्ही.) के माध्यम से कीजिए।	रुपए १५ लाख।	रुपए २० लाख।	रुपए १० लाख।	रुपए २४ लाख।	2
217	जीवन-बीमा और साधारण बीमा के संदर्भ में, एक आकस्मिक घटना की संभाव्यता की तुलना कीजिए।	जीवन-बीमा और साधारण बीमा, दोनों के संदर्भ में, घटना होने की संभाव्यता, एक-स्थिर रहती हैं।	घटना होने की संभाव्यता, साधारण बीमा के मामले में बढती रहती हैं, और जीवन-बीमा के मामले में घटती रहती हैं।	घटना होने की संभाव्यता, जीवन-बीमा के मामले में बढती रहती हैं, और साधारण बीमा के मामले में घटती रहती हैं।	घटना होने की संभाव्यता, जीवन-बीमा के मामले में बढती रहती हैं, और साधारण बीमा के मामले में स्थिर रहती हैं।	4
218	निम्नलिखित दो कथन, विश्लेषित कीजिए, और सत्य निर्धारित कीजिए: कथन-I: साधारण बीमा के मामले में, आकस्मिक-घटना, निश्चित रुप से होती हैं। कथन-II: जीवन-बीमा के मामले में, आकस्मिक-घटना, निश्चित रुप से होती हैं।	कथन-I सत्य हैं।	कथन-II सत्य हैं।	कथन-I और कथन-II, सत्य हैं।	कथन-I और कथन-II, असत्य हैं।	2
219	बीमा की एक श्रेणी का सुझाव दीजिए जो, साख की हानि के प्रति संरक्षण प्रदान करेगा।	जीवन-बीमा	सम्पत्ति-बीमा	दायित्व-बीमा	व्यक्तिगत-बीमा	3
220	हमें बताइए, क्यों, वृद्ध लोगों की तुलना में, युवा लोगों को, जीवन-बीमा प्रीमियम, कम भारित किया जाता हैं,	वृद्ध लोगों के जितनी, युवा लोगों को, जीवन-बीमा की आवश्यकता नहीं होती हैं।	युवा लोग, उन की कम आय के कारण, महंगे जीवन-बीमा उत्पाद खरीद नहीं सकते हैं।	मर्त्यता-दर, आयु के सीधे आनुपातिक होता हैं।	मर्त्यता-दर, आयु के विपरित आनुपातिक होता हैं।	3